सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" ज़िंदगी समझनी हो तो पीछे देखो,
जीनी हो तो आगे देखो ....!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–194 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 02 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लोहा स्क्रैप चोरी : BJP नेता भास्कर मुदलियार गिरफ्तार

वैशाली नगर मंडल के कोषाध्यक्ष थे, पुलिस ने घर से दबोचा, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

"नई दृष्टिबिंदु" की लगातार खबरों का असर

बीएसपी स्क्रैप चोरी कांड : 3 आरोपी जेल भेजे गए
3 करोड़ की संपत्ति–50 लाख के गहने किए जब्त
लॉकर से मिले दस्तावेज, फर्जी नंबर प्लेट से करते थे परिवहन, अब तक 12 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट (BSP) से 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के मामले में पुलिस ने शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए वैशाली नगर भाजपा मंडल के कोषाध्यक्ष भास्कर मुदलियार उर्फ बाचू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

भिलाई-3 थाना पुलिस और ACCU टीम ने सुबह 11 बजे वैशाली नगर स्थित आरोपी के घर दबिश दी। पुलिस के अनुसार भास्कर मुदलियार भागने की कोशिश कर रहा था, तभी उसे दबोच लिया गया।

गाड़ी और स्क्रैप जब्ती का कनेक्शन

पुलिस ने बताया कि ग्राम अकलोरडीह में भास्कर के नाम से रजिस्टर्ड वाहन CG 10-R-2004 को पहले ही जब्त किया जा चुका था। उसमें चोरी का लौह स्क्रैप भरा था। भास्कर ने गाड़ी को किराए पर देने का हवाला देकर कोर्ट से छुड़वा लिया था। पुलिस ने स्क्रैप जब्त कर गाड़ी कोर्ट के आदेश पर छोड़ दी थी।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पूछताछ में आरोपी ने BSP से चोरी हुए लौह स्क्रैप को खरीदना और आगे बेचना स्वीकार किया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में उसने कई बड़े नामों का खुलासा किया है। पुलिस की जांच अभी जारी है। सूत्रों का दावा है कि अब बीएसपी से चोरी का माल खरीदने वाले उद्योगपतियों और कबाड़ियों का नंबर लगेगा।

पूरा नेटवर्क ऐसे चलता था

पुलिस ने पहले ही ट्रांसपोर्टर संजय सिंह और आकाश सिंह को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। उनके बयान के आधार पर सामने आया कि BSP से चोरी का लोहा और फ्लू डस्ट ग्राम अकलोरडीह स्थित AK Traders के गोदाम में शिफ्ट किया जाता था। वहां से स्क्रैप अलग कर उसे भास्कर मुदलियार खरीदा करता था। सुबह होते ही उसे अपनी फर्म Sky Traders में भेज दिया जाता था। वहां से दुर्ग-भिलाई और रायपुर की कंपनियों में ऊंचे रेट पर बेच दिया जाता था।

अब तक 17 गिरफ्तार, 3 फरार

उल्लेखनीय है कि भिलाई-3 पुलिस ने 26 मई को AK Traders के गोदाम में दबिश देकर 250 टन BSP का चोरी का स्क्रैप पकड़ा था। इस मामले में अब तक इरद के GM, नॉन-एग्जिक्यूटिव, ट्रांसपोर्टर समेत 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में ठेकेदार हिमांशु खंडेलवाल, गिरीश खंडेलवाल और आरोपी संजय सिंह का बेटा अभय सिंह अभी फरार हैं। अभय पर पुलिस ने इनाम भी घोषित किया है।

राजनीति गरमाई

भाजपा नेता की गिरफ्तारी के बाद शहर की राजनीति गरमा गई है। भाजपा ने मामले को संज्ञान में लेते हुए भास्कर मुदलियार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

लोहा चोरी मामले में संलिप्तता पर बीजेपी ने भास्कर मुदलियार को 6 साल के लिए निष्कासित किया

भिलाई इस्पात संयंत्र में हुए लोहा चोरी मामले में नाम आने के बाद भाजपा ने बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार एवं जिला संगठन प्रभारी रामजी भारती की सहमति से वैशाली नगर मंडल के कोषाध्यक्ष भास्कर मुदलियार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है।

क्या है मामला : भास्कर मुदलियार का नाम भिलाई इस्पात संयंत्र लोहा चोरी प्रकरण में सामने आया था। पुलिस जांच और न्यायालय द्वारा आरोपित घोषित किए जाने के बाद पार्टी ने यह कदम उठाया। जारी सूचना में कहा गया है कि आरोपी को पार्टी विरोधी गतिविधियों और आपराधिक मामले में संलिप्त पाए जाने के कारण निष्कासित किया गया है। यह निष्कासन तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

BJP का बयान : पार्टी का कहना है कि भाजपा भ्रष्टाचार और आपराधिक गतिविधियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी। संगठन की छवि और अनुशासन बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

आरोपों के चक्रव्यूह से बेदाग निकले डॉ. मनमोहन सिंह, इतिहास ने दी गवाही

2G, CWG, कोयला आवंटन मामलों में क्लीन चिट, 1991 के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार के रूप में याद

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह का वह ऐतिहासिक कथन "इतिहास मेरे प्रति मीडिया और विपक्ष की तुलना में अधिक दयालु होगा" आज सच होता दिख रहा है। 2014 से पहले जिन घोटालों के आरोपों से उन्हें घेरा गया था, उन सभी मुख्य मामलों में अदालतों ने उन्हें बेदाग करार दे दिया है।

आरोपों से मिली क्लीन चिट

2G स्पेक्ट्रम और CWG मामला (2017): विशेष सीबीआई अदालत ने ठोस सबूतों के अभाव में डॉ. सिंह को पूरी तरह क्लीन चिट दी।

कोयला आवंटन मामला: सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री को इस मामले में भी बेदाग घोषित किया।

न्यायिक फैसलों के बाद माना जा रहा है कि आरोपों के आधार पर बनी छवि अब तथ्यों के सामने कमजोर पड़ी है।

1991 के संकट मोचक: आर्थिक सुधारों के शिल्पकार

1991 में जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 15 दिन के आयात लायक रह गया था और 44 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था, तब तत्कालीन

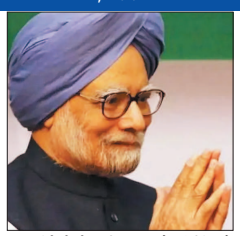

प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने डॉ. सिंह को वित्त मंत्री बनाया।

24 जुलाई 1991 को उन्होंने ऐतिहासिक बजट पेश किया। आयात शुल्क 300% से घटाकर 50% किया और लाइसेंस राज खत्म किया। उसी उदारीकरण की बदौलत 1991 की $266 बिलियन की अर्थव्यवस्था आज $4 ट्रिलियन के करीब पहुंची है।

प्रधानमंत्री काल 2004–2014: जनहित की बड़ी योजनाएं

10 साल के कार्यकाल में डॉ. सिंह ने कई दूरगामी फैसले लिए

27 करोड़ लोग गरीबी से बाहर: इस दौरान देश में सबसे बड़ा गरीबी उन्मूलन हुआ।

मनरेगा: ग्रामीणों को 100 दिन रोजगार की कानूनी गारंटी।

RTI 2005: जनता को सरकार से सवाल करने का अधिकार।

भारत–अमेरिका परमाणु समझौता: सरकार बचाने की जगह देश के ऊर्जा भविष्य को प्राथमिकता दी।

2008 वैश्विक मंदी: संकट के बीच भारत को संभाला और किसानों का ?70,000 करोड़ का कर्ज माफ किया।

संवाद और मीडिया के प्रति रवैया

आज की राजनीति से अलग, डॉ. सिंह ने 10 साल में 100 से अधिक प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं। संसद में उनकी पंक्ति आज भी चर्चित है:

"हजारों जवाबों से अच्छी है खामोशी मेरी, न जाने कितने सवालों की आबरू रख ली।"

चुनावी शोर और आरोपों के बीच जो छवि धूमिल करने की कोशिश हुई, उसे अदालतों के फैसलों और आर्थिक आंकड़ों ने साफ कर दिया। इतिहास अब डॉ. मनमोहन सिंह को एक शांत, शालीन लेकिन निर्णायक अर्थशास्त्री–प्रधानमंत्री के रूप में याद कर रहा है।

रायपुर डीसीपी के गनमैन ने किया सुसाइड, पुलिस क्वार्टर में पिया जहर
इलाज के दौरान हुई मौत
अमलीडीह पुलिस कॉलोनी की घटना, मर्ग कायम कर जांच जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर के अमलीडीह स्थित पुलिस कॉलोनी में एक आरक्षक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक आरक्षक की पहचान कुलदीप मिश्रा के रूप में हुई है। वह रायपुर में पदस्थ DCP का गनमैन था।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को कुलदीप मिश्रा को अमलीडीह पुलिस क्वार्टर में बेहोशी की हालत में पाया गया। परिजन और साथी पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर अमलीडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस परिजनों और सहकर्मियों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस ने कहा है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

26 वें वसुंधरा सम्मान से सम्मानित होंगे राजेश गनोदवाले

14 अगस्त को महात्मा गांधी कला मंदिर भिलाई में आयोजित वैचारिक संगोष्ठी में दिया जाएगा सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वसुंधरा एवं श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार 14 अगस्त को भिलाई के महात्मा गांधी कला मंदिर सभागार भिलाई में किया गया है। इस समारोह में कीर्ति शेष देवीप्रसाद चौबे की स्मृति में स्थापित एवं लोकजागरण के लिए प्रदत्त वसुंधरा सम्मान सुपरिचित पत्रकार, संस्कृतिकर्मी राजेश गनोदवाले को सांस्कृतिक एवं देशज पत्रकारिता में प्रदीर्घ रचनात्मक अवदान के लिए प्रदान किया जाएगा जाने माने पत्रकार डॉ. विश्वेश ठाकरे की अध्यक्षता में प्रसार भारती के पूर्व निदेशक लीलाधर मंडलोई (दिल्ली), सतीश जायसवाल (बिलासपुर), डॉ. वीरेन्द्र मोहन (खैरागढ़), ईवी मुरली (रायपुर) वसुंधरा सम्मान के संयोजक विनोद मिश्र, आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव की निर्णायक समिति के द्वारा लिये गए इस निर्णय की जानकारी सचिव श्वेता उपाध्याय ने मीडिया से साझा किया है।

निर्णायक समिति ने अपने वक्तव्य में कहा है कि राजेश गनोदवाले सांस्कृतिक पत्रकारिता के लिए समूचे देश में जाने जाते हैं। राजेश गनोदवाले ने सांस्कृतिक सरोकारों तथा कला,संगीत रंगमंच जैसी शास्त्रीय विधाओं के प्रति बेहद संजीदा पत्रकारिता की हैं राजेश गनोदवाले की पत्रकारिता तीन दशकों से अधिक समय की है। छत्तीसगढ़ की लोककलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करने का काम वे विगत तीन दशकों से कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के एक प्रतिष्ठित दैनिक से पत्रकारिता शुरू करने वाले श्री गनोदवाले ने भारत रत्न पं रविशंकर, ज्ञानपीठ सम्मानित विनोद कुमार शुक्ल, नाट्य निर्देशक हबीब तनवीर,पर बायोग्राफिकल रूपांकार में तथ्यपरक लेखन किया है। उनके लोक अभिरुचि के आठ मोनोग्राफ प्रकाशित हुए हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2010 में चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित राजेश गनोदवाले को प्रतिष्ठित ऋतुराज सम्मान(2000) राष्ट्रीय कला समीक्षा सम्मान (2011)तथा नाट्य लेखन के लिए साहित्य कला परिषद नई दिल्ली का मोहन राकेश राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

विगत वर्षों में स्व. रमेश नैयर, स्व.श्याम लाल चतुर्वेदी, स्व.कुमार साहू, स्व.बसंत कुमार तिवारी, स्व. विनोद शंकर शुक्ल, स्व. शरद कोठरी, स्व.बबन प्रसाद मिश्र, डा.हिमांशु द्विवेदी, दिवाकर मुक्तिबोध, आशा शुक्ला, गिरिजाशंकर, ज्ञान अवस्थी, श्याम वेताल, अभय किशोर, डा.सुशील त्रिवेदी, गिरीश पंकज, स्व .बीकेएसरे, प्रकाश दुबे, स्व. तुषार कांति बोस, ईवी मुरली, सतीश जायसवाल, लीलाधर मंडलोई सुधीर सक्सेना, डॉ. विश्वेश ठाकरे एवं राहुल देव को वसुंधरा सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

वसुंधरा सम्मान
प्रतिष्ठा आयोजन का 26वाँ वर्ष

"याद-ए-रफी" ने रचा नया इतिहास, कला मंदिर में रफी साहब के गीतों की गूँज से सराबोर

संगीत प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी रही, कार्यक्रम की लोकप्रियता, उत्कृष्ट प्रस्तुति और दर्शकों की गहरी तल्लीनता का प्रमाण था

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ओबेरायज म्यूजिकल ग्रुप द्वारा कला मंदिर, सिविक सेंटर में आयोजित मोहम्मद रफी की स्मृति को समर्पित भव्य संगीत संध्या "याद-ए-रफी" अपने लगातार 43वें वर्ष में भी नए कीर्तिमानों के साथ अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस वर्ष का आयोजन स्वर सम्राट मोहम्मद रफी की 46वीं पुण्यतिथि के साथ हाल ही में दिवंगत हुए हिंदी सिनेमा के महान, सुपर हिट अभिनेता धर्मेन्द्र को भी उनकी फिल्मों के सदाबहार गीतों के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान कला मंदिर का सभागार शुरू से अंत तक खचाखच भरा रहा। हॉल के भीतर, बाहर तथा प्रवेश द्वार तक संगीत प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी रही। विशेष बात यह रही कि अंतिम गीत की प्रस्तुति तक भी बड़ी संख्या में श्रोता अपनी सीटों पर डटे रहे और मंच संचालकों द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा के बाद ही उठे। यह दृश्य कार्यक्रम की लोकप्रियता, उत्कृष्ट प्रस्तुति और दर्शकों की गहरी तल्लीनता का प्रमाण था।

संस्था के संचालक इकबाल सिंह आबेराय का इस वर्ष लगभग 48 गीतों को एक ही संध्या में सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयोग पूरी तरह सफल रहा। उत्कृष्ट समय-प्रबंधन

और अनुशासित संचालन के कारण कार्यक्रम निर्धारित समय पर संपन्न हुआ। लगातार प्रस्तुतियों के बावजूद पूरे कार्यक्रम में दर्शकों का उत्साह अंत तक बना रहा।

कार्यक्रम में इकबाल सिंह आबेराय, शेख अमीन, देवव्रत राय, पी.टी. उल्लास, परन भाटिया, इन्द्रनील चौधरी, डॉ. जावेद अली, धर्मेन्द्र रावल, सजीव सुधाकरन, अक्षय फिलिप्स, वीणा मखीजा, तान्या समद्दार, मधुरिमा रे, सरोज खत्री एवं स्नेहा जोशी ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। "ओ मेरी महबूबा", "झिलमिल सितारों का आँगन होगा", "तेरे पास आके मेरा वक़्त गुजर", "आज मौसम बड़ा बेईमान है", "भेरे दुश्मन तू मेरी दोस्ती को तरसे", "हुई शाम उनका खयाल आ गया", "यक़ीन कर लो", "ये दिल दीवाना है", "जीत ही लेंगे बाजी हम तुम", "मौं तुझे ढूँढूँ कहाँ", "गर तुम भुला न दोगे", "देखा है तेरी आँखों में" तथा "ये दोस्ती" जैसे सदाबहार गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण इकबाल सिंह आबेराय ने अपनी दमदार गायकी, ऊर्जावान मंचीय उपस्थिति तथा दर्शकों के बीच जाकर उनसे आत्मीय संवाद स्थापित करने की अनूठी शैली से पूरे सभागार का वातावरण संगीतमय उत्सव में बदल दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की सफलता में संगीतकारों का योगदान भी अत्यंत उल्लेखनीय रहा। सभी वादकों ने मूल धुनों के अनुरूप सटीक और प्रभावशाली संगत देकर प्रत्येक गीत को जीवंत बना दिया। उत्कृष्ट एवं संतुलित ध्वनि व्यवस्था ने भी कार्यक्रम को तकनीकी दृष्टि से उच्च स्तर का बनाया, जिससे हर प्रस्तुति का आनंद श्रोताओं तक पूरी स्पष्टता और मधुरता के साथ पहुँचा।

मंच संचालन आकाशवाणी रायपुर के दीपक हटवार एवं भोपाल के विजय मनवानी ने अपनी प्रभावशाली, सहज और रोचक शैली में किया। दोनों उद्घोषकों ने पूरे कार्यक्रम को गरिमा, ऊर्जा और अनुशासन के साथ संचालित करते हुए श्रोताओं को अंतिम क्षण तक बाँधे रखा।

कार्यक्रम में सुधीर बंसल, विजय अग्रवाल, नरेंद्र बंछोर, बीएसपी के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्र के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं व्यवसायी, प्रख्यात गायक-गायिकाएँ, संगीतकार, आयोजनकर्ता तथा सैकड़ों संगीत प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित अतिथियों एवं संगीत प्रेमियों ने एक स्वर में कार्यक्रम की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सर्वश्रेष्ठ और सर्वाधिक प्रतिष्ठित संगीत आयोजनों में से एक बताया।

सच्ची खबर, सही खबर
सबसे पहले, सबसे तेज
हर खबर, हर अपडेट अब YouTube पर
NDB NEWS नई दृष्टि बिंदु
हमारे चैनल को YouTube पर सर्च करें
Nai Drishti Bindu
हमारे साथ जुड़ें
5K+ SUBSCRIBERS 804 VIDEOS 65.55 LAKH+ VIEWS
विश्वसनीय पत्रकारिता का विश्वास
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
अभी SUBSCRIBE करें और पाएं हर खबर सबसे पहले!
हम नहीं दिखाते सिर्फ खबर, हम दिखाते हैं नई दृष्टि !

पुलिस ने गुम मोबाइल खोजकर लौटाए, 60 लाख रुपये की संपत्ति वास्तविक मालिकों को सौंपी

मोबाइल मिलने की उम्मीद लगभग खत्म, लेकिन पुलिस के लगातार प्रयासों से उनकी महत्वपूर्ण संपत्ति वापस मिली

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने सोशल पुलिसिंग की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए 200 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटा दिए। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस नियंत्रण कक्ष, सेक्टर-6 दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मोबाइल उनके मालिकों को विधिवत सुपुर्द किए।

दुर्ग पुलिस की साइबर सेल एवं जिले के सभी थाना-चौकी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के तहत गुम मोबाइलों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। सीईआईआर पोर्टल, तकनीकी ट्रैकिंग, विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से समन्वय तथा अन्य राज्यों और जिलों की पुलिस इकाइयों के सहयोग से मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित

बरामद किया गया। वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंपे गए।

मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने दुर्ग पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने मोबाइल मिलने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, लेकिन पुलिस के लगातार प्रयासों से उनकी महत्वपूर्ण संपत्ति वापस मिल सकी।

दुर्ग पुलिस ने बताया कि यह अभियान केवल गुम संपत्ति की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि सोशल पुलिसिंग की अवधारणा को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। पारदर्शी कार्यप्रणाली, तकनीकी दक्षता और संवेदनशील पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास एवं सहयोग को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इस सफलता में जिला साइबर सेल, जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों तथा मोबाइल रिकवरी अभियान में लगे पुलिस अधिकारियों एवं कम्रचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल संबंधित थाना, साइबर सेल या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से सूचना दर्ज कराएं। साथ ही मोबाइल की सुरक्षा के लिए स्क्रीन लॉक, पासवर्ड, बायोमेट्रिक लॉक सहित अन्य सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग अवश्य करें, ताकि मोबाइल की शीघ्र ट्रैकिंग और बरामदगी की संभावना बढ़ सके।

दुर्ग निगम में तत्काल करें आयुक्त की नियुक्ति- डॉ. प्रतीक उमरे

दुर्ग। नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने दुर्ग नगर निगम में आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से तत्काल पूर्णकालिक आयुक्त की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण शहरी निकाय का संचालन लंबे समय तक प्रभारी व्यवस्था के भरोसे चलने से इसका सीधा दुष्प्रभाव शहर के विकास,जनसुविधाओं और नागरिक सेवाओं पर पड़ रहा है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि नगर निगम दुर्ग में नियमित आयुक्त के अभाव में अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों की गति धीमी पड़ गई है। शहर में सड़क, नाली, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट,भवन अनुज्ञा, राजस्व वसूली सहित कई प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी भी स्पष्ट नेतृत्व के अभाव में निर्णय लेने में असमंजस की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

खास खबर

सनातन धर्म विरोधी मौलाना जर्जिस को करें देश निकाला, सनातन विरोधी कांग्रेस नेताओं पर हो कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-दुर्ग

देवेश मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष भगवा (भारतीय गण वार्ता) पार्टी ने सनातन धर्म विरोधी मौलाना जर्जिस को करें तुरंत देश निकाला करने और सनातन विरोधी कांग्रेस नेताओं पर सख्त कार्यवाही की मांग केंद्र सरकार से की है। ज्ञात हो कि मौलाना जर्जिस कृष्ण भगवान पर अनर्गल बयानबाजी करने के पश्चात अब त्रिदेव ब्रम्हा विष्णु महेश पर लगातार लाउडस्पीकर में अपशब्दों का प्रयोग

झारखण्ड बिहार में विभिन्न स्थानों कर पर रहा है,दलित वाल्मीकि समाज के खिलाफ भी इस तथाकथित मौलाना ने अशोभनीय टिप्पणी की है। ऐसे पागल सनातन धर्म विरोधियों पर तुरंत कार्यवाही कर कठोर दंड दिया जाये। ऐसे नफरत फैलाने वाला जो खुद को मौलाना कहता है, उसे तुरंत देश निकाला किया जाये। इसी प्रकार सनातन धर्म का अथवा भगवा का अपमान करने वाले कांग्रेस सांसद पप्पू यादव जो संसद भवन में दानपेटी लेकर ड्रामा किया है, उसके उस कृत्य के लिए उसे दण्डित किया जाये।

क्या इसी प्रकार अन्य धर्म की नौटंकी करने की इनमें साहस है ? क्यों बार बार सनातन धर्म का ही अपमान किया जा रहा ? इसका मुख्य कारण इन राजनैतिक दलों में सनातनी हिन्दू ही हैं। जो अपने निज स्वार्थ के लिए चुप्पी साधे बैठे है। राजनैतिक दल कोई हो, सभी धर्म का सम्मान करना चाहिए। भगवान राम इन्हें कभी क्षमा नहीं करेंगे, ऐसे लोग स्वतः खत्म हो जायेंगे। देवेश मिश्रा ने कहा कि, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह सनातन धर्म विरोधी है। अब भी क्या कांग्रेस पार्टी में रहकर हमारे सनातनी सदस्य ऐसा अपमान सहते रहेंगे ? कांग्रेस सहित अन्य दलों में शामिल सनातनी सदस्यों की ऐसी क्या मजबूरी है जो अपने धर्म विरुद्ध बातें सुनकर भी चुप रह जाते है, धिक्कार है इन पर।

भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने कहा कि बहुत ही शर्म की बात है, कि हिन्दुओं के नाम पर सनातन धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा केंद्र व राज्यों में भी सरकार होने के बाद भी अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है। श्री मिश्रा ने कहा कि किसी भी तरह सनातनी देवी देवताओं, सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हम हमारे दल के सदस्य एक एक पहलू पर नजर रखे हुए है, और सनातन जागृति अभियान जोरों पर है, हमारा यह प्रयास है प्रत्येक सनातनी अपने धर्म का पालन करें, अपने अधिकारों को समझें, तभी छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में भगवा लहराएगा।

स्वास्थ्य कर्मचारियों को वितरण किया गया रेनकोट

भिलाई-3। सावन के पहले ही दिन भिलाई-चरौदा नगर निगम के कर्मचारियों को रेनकोट वितरण किया गया। जिसका उद्देश्य लगातार हो रही बारिश से कर्मचारियों को कार्य के दौरान फिल्ड में सुरक्षा चक्र प्रदान करना है। महापौर निर्मल कोसरे ने इस मौके पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमारे भिलाई-चरौदा निगम के कर्मचारियों को रेनकोट वितरण किया जा रहा है। जिससे किसी कमचारी को अपने दायित्व निर्वहन के दौरान बरसात के कारण बाधा उत्पन्न ना हो। वही श्री कोसरे ने आगे कहा कि बरसात के दिनो में कई प्रकार की संक्रामक बिमारियों और कीड़े आदि हवा में उड़ने वाले से बचाव के तौर पर भी रेनकोट कर्मचारियों के लिए उपयोगी रहेगा। मौके पर निगम स्वास्थ्य विभाग के समस्त महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिलाई निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने निर्माण कार्यों प्रस्तावित स्थल व सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

कचरा फेंकने और डम्प करने वालों के ऊपर बड़ी पेनाल्टी लगाने कहा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, प्रस्तावित कार्यस्थलों, तालाबों एवं सफाई व्यवस्था सहित आईटीआई में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने कॉलोनी विकास शुल्क मद से अनुज्ञा रिसिडेंसी में कराए जा रहे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने तथा निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि कॉलोनीवासियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात आयुक्त ने अयप्पा नगर में प्रस्तावित कार्य स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्य की आवश्यकताओं एवं स्थल की स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को जल्द से जल्द सुविधाओं का लाभ मिल सके।

आयुक्त ने कोहका स्थित आमा तालाब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब एवं उसके आसपास की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लेते हुए नियमित साफ-सफाई कराने और स्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 24 फौजी नगर क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विशेष ध्यान देने तथा कचरा फेंकने एवं डम्प करने वालों के ऊपर बड़ी पेनाल्टी लगाने कहा है। आयुक्त ने आईटीआई परिसर में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कार्य को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, अमरनाथ दुबे, ऐशा लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, संजय वर्मा अरविन्द शर्मा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता वर्मा, चंद्रकांत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, बर्सत साहू एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना उपस्थित रहे।

राजस्व वसूली में तेजी लाने आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह की अध्यक्षता में निगम के सभागार कक्ष में राजस्व आय तथा विभिन्न स्थानीय करों की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम के राजस्व संग्रह की वर्तमान स्थिति का बारीकी से आकलन किया गया तथा आय वृद्धि के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए।?

आयुक्त ने कर वसूली कार्य में लगी एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर वसूली का लक्ष्य पूरा किया जाए। बड़े राजस्व बकाएदारों की सूची तैयार कर उन्हें तत्काल नोटिस जारी करने और नियमानुसार वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आम नागरिकों को कर भुगतान में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए डिजिटल भुगतान पद्धतियों और ऑनलाइन पोर्टल को और बेहतर बनाने पर बल दिया गया। राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे एजेंसी के कार्यों की प्रतिदिन निगरानी करें और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र के सुनियोजित विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए समय पर राजस्व प्राप्त होना अत्यंत आवश्यक है। कर वसूली के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उक्त बैठक के दौरान अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक राजस्व अधिकारीगण एवं राजस्व वसूली एजेंसी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीएसपी की नई पहल : संविदा श्रमिकों को अब एस्क्रो से मिलेगा समयबद्ध वेतन

पीएनबी के साथ डिजिटल भुगतान प्रणाली के लिए एमओयू संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने संविदा श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। संयंत्र ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ एस्क्रो आधारित डिजिटल वेतन भुगतान प्रणाली के क्रियान्वयन हेतु रिकॉर्ड ऑफ म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए। इस संबंध में औपचारिक कार्यक्रम कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया।

पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर: इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने कहा कि यह पहल बीएसपी और पीएनबी के सहयोग का महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। एस्क्रो आधारित डिजिटल प्रणाली लागू होने से संविदा श्रमिकों के वेतन भुगतान में पारदर्शिता, समयबद्धता और विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने इस पहल को सफल बनाने में बीएसपी टीम और पीएनबी के सहयोग की सराहना की। महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर ने कहा कि यह व्यवस्था वेतन भुगतान की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाएगी। इससे वैधानिक प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन के साथ-साथ श्रमिकों के हितों की बेहतर सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

बैंक और बीएसपी अधिकारियों की उपस्थिति : कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण) रवि शंकर, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, राजीव कुमार, विकास चन्द्रा, सरबानी दास, प्रताप शेखर नायक, सुरजीत मलिक सहित एचआर और सी एंड आईटी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब नेशनल बैंक की ओर से सर्किल हेड रायपुर वीके शर्मा, सहायक महाप्रबंधक प्रवीण कुमार, मुख्य प्रबंधक अजीत साहू और अन्य अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में दोनों संस्थानों ने प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के लिए परस्पर सहयोग और समन्वय की प्रतिबद्धता दोहराई। संचालन महाप्रबंधक (मानव संसाधन औद्योगिक संबंध एवं संविदा श्रम प्रकोष्ठ) राजीव कुमार ने किया।

चेम्बर का वार्षिक अभियान : व्यापार, युवा और स्वावलंबन को मिलेगी नई दिशा

स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता, Gen-Z का अहमदाबाद भ्रमण, कर्मकार महोत्सव और "आया त्योहार चलो बाजार" अभियान होगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भिलाई और स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वाधान में वर्ष 2026 के शेष महीनों में व्यापार, उद्योग और युवा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष जनहितैषी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। अभियान का नेतृत्व प्रदेश महामंत्री अजय भसीन और भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा कर रहे हैं।

शुरुआत हो चुकी, कर्मकार प्रशिक्षण शिविर संपन्न

अजय भसीन ने बताया कि अभियान का उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा, युवाओं को स्वावलंबन के लिए प्रेरित करना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। अभियान की शुरुआत 16 जुलाई से कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर से हो चुकी है। आज इस शिविर के द्वितीय सत्र का समापन हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठानों के कर्मकारों ने प्रशिक्षण लिया।

अगस्त से "ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा" अभियान

22 अगस्त से 2 अक्टूबर तक शहर के 10 स्कूलों और 10 महाविद्यालयों में "ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा" विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम होंगे। विभिन्न क्षेत्रों के वक्ता विद्यार्थियों को स्वावलंबन, भारतीय संस्कार, नैतिक जिम्मेदारी, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण पर प्रेरित करेंगे। इसका लक्ष्य युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है।

Gen-Z के 30 युवा जाएंगे अहमदाबाद

इसी क्रम में Gen-Z वर्ग के 30 चयनित युवाओं को 17 अगस्त से 23 अगस्त तक अहमदाबाद के अध्ययन भ्रमण पर ले जाया जाएगा। वहां उन्हें भविष्य के व्यापार,

नवाचार, स्टार्टअप, आधुनिक तकनीक और उद्यमिता के अवसरों से रूबरू कराया जाएगा।

अक्टूबर में "कर्मकार महोत्सव", नवंबर में "आया त्योहार चलो बाजार"

अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर "कर्मकार महोत्सव" आयोजित होगा। इसमें एक ही प्रतिष्ठान में 25 साल से अधिक सेवा देने वाले 25 कर्मकारों का सम्मान किया जाएगा।

नवंबर में दीपोत्सव पर "आया त्योहार, चलो बाजार" अभियान चलेगा। इसके तहत लोगों से स्थानीय बाजारों से खरीदारी और "वोकल फॉर लोकल" को अपनाने की अपील की जाएगी ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सके। चेम्बर ने सभी व्यापारी, उद्योगपति, विद्यार्थियों और नागरिकों से इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही आत्मनिर्भर भारत और सशक्त व्यापारिक वातावरण का निर्माण संभव है।

भिलाई-3 के खूबचंद बघेल कॉलेज में प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्टाफ में भारी नाराजगी, पौधरोपण के नाम पर 2 हजार की वसूली, शो-कॉज नोटिस से हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

डॉ. खूबचंद बघेल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में प्राचार्य की कार्यप्रणाली को लेकर पूरे कॉलेज में असंतोष का माहौल है। रोज नए आदेश, कारण बताओ नोटिस और कर्मचारियों पर दबाव से स्टाफ में रोष बढ़ता जा रहा है। शहर में भी कॉलेज के माहौल को लेकर चर्चा हो रही है।

पौधरोपण के नाम पर वसूली का आरोप

सूत्रों के अनुसार कॉलेज में पौधरोपण के नाम पर प्रत्येक स्टाफ से 2000 रुपये की मांग की गई है। पैसा नहीं देने पर मानसिक प्रताड़ना देने और 2 प्राध्यापकों को शो-कॉज नोटिस जारी करने का भी आरोप है। यह नोटिस अब शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जनभागीदारी और व्यवस्था पर उठे सवाल: स्टाफ का आरोप है कि जनभागीदारी समिति के चपरासियों को हटा दिया गया है। जो बचे हैं उनसे घास छिलवाने जैसे काम कराए जा रहे हैं। चपरासियों को साफ-सफाई से मना करने के कारण कॉलेज परिसर में जगह-जगह गंदगी है। इसके अलावा प्राचार्य खुद बायोमेट्रिक उपस्थिति नहीं देतीं, जबकि पूरे स्टाफ पर इसके लिए दबाव बनाया जाता है। जनभागीदारी के पैसों का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है।

परीक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों में गड़बड़ी का आरोप

आरोप है कि परीक्षा ड्यूटी में बाहर के लोगों को लगाया गया। अतिथि व्याख्याताओं के रहते हुए कॉलेज के पूर्व छात्रों से एजाम ड्यूटी कराई गई। कॉलेज में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधि नहीं हो रही है और न ही करने दी जा रही है। लाइब्रेरी में नए पाठ्यक्रम की किताबें भी उपलब्ध नहीं हैं, जबकि छात्र पांचवें सेमेस्टर में पहुंच चुके हैं।

उच्च स्तर पर शिकायत की तैयारी

कॉलेज सूत्रों का कहना है कि प्राचार्य की मनमानी से पूरा स्टाफ परेशान है और इसकी उच्च स्तर पर शिकायत करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में प्राचार्य से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। कॉल करने पर भी उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। फिलहाल कॉलेज का शैक्षणिक माहौल बिगड़ने और प्रशासनिक अराजकता के आरोपों के कारण पूरा स्टाफ और छात्र नाराज हैं।

आईआईटी दिल्ली के सीईईई कार्यक्रम के लिए भिलाई के प्रभात का चयन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिक्षाधानी भिलाई के युवा शिक्षाविद् व सिविल इंजीनियरिंग प्रोफेसर प्रभात कुमार प्रसाद ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली द्वारा आयोजित Centre for Engineering Education Excellence (CEEE) Programme (CEEE) 2026-27 के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल भिलाई बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय मानी जा रही है। देशभर के विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों से चयनित सीमित सिविल इंजीनियरिंग फैकल्टी सदस्यों में प्रभात कुमार प्रसाद ने अपनी जगह बनाई है।

छह माह का यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम Indian National Academy of Engineering (INAE), Infosys Foundation तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के सहयोग से जून से दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग शिक्षकों की शिक्षण दक्षता, अनुसंधान क्षमता, नवाचार, डिजिटल शिक्षण तकनीकों एवं अकादमिक नेतृत्व कौशल को सशक्त बनाना है। इस दौरान प्रतिभागियों को आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आधुनिक इंजीनियरिंग शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रभात कुमार प्रसाद वर्तमान में कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई में सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान के चेयरमैन आनंद त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ. अजय तिवारी तथा उप प्राचार्य डॉ. रविंद्र शर्मा को देते हुए कहा कि उनके सतत मार्गदर्शन, विश्वास और प्रोत्साहन से ही यह सफलता संभव हो सकी। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वसंत मत्सागर एवं उनकी पूरी टीम के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इस उपलब्धि पर प्रभात कुमार प्रसाद के पिता एवं सेल (SAIL) से सेवानिवृत्त जय बहादुर प्रसाद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का अवसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रभात भविष्य में भी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर भिलाई छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे।

मजबूत अधोसंरचना और उद्योग अनुकूल नीतियों से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ में उद्योग और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण, नई उद्योग नीति से निवेश को मिल रही नई गति, सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के लाभांडी स्थित एक निजी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा देशभर से आए टेंट एवं इवेंट उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन किसी भी उद्योग को नई दिशा देने, आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और व्यापारिक अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज उद्योग और व्यापार के लिए देश के सबसे अनुकूल राज्यों में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई उद्योग नीति को देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश आर्थिक प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां उद्योग, व्यापार और उद्यमिता समान रूप से विकसित हों तथा युवाओं को अधिकाधिक रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 नवाचार, कौशल विकास और व्यावसायिक साझेदारी का प्रभावी मंच है। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए विशेषज्ञ, निर्माता, सप्लायर और व्यवसायी अपने अनुभव, तकनीक और नए उत्पाद साझा कर रहे हैं। इससे छत्तीसगढ़ के स्थानीय व्यवसायियों को आधुनिक उपकरणों, नवीन डिजाइनों और बदलते बाजार की आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज इवेंट और टेंट उद्योग तेजी से बदल रहा है। आधुनिक तकनीक, आकर्षक डिजाइन, बेहतर प्रबंधन और गुणवत्ता इस क्षेत्र की नई पहचान बन चुके हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव प्राप्त होंगे, जिससे उनका व्यवसाय और अधिक प्रतिस्पर्धी एवं सशक्त बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि टेंट एवं इवेंट उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विवाह समारोहों से लेकर सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और शासकीय आयोजनों तक आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहती है। आप केवल टेंट और सजावट की व्यवस्था नहीं करते, बल्कि लोगों के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और यादगार अवसरों को सुंदर, व्यवस्थित और गरिमामय स्वरूप प्रदान करते हैं। यह उद्योग लाखों लोगों की खुशियों और सामाजिक आयोजनों का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र ने हजारों युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं। विशेष रूप से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से टेंट व्यवसाय से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी अभियान के अंतर्गत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी अनेक महिलाओं ने टेंट एवं संबंधित गतिविधियों को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया है। इससे उनके परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के एक्सपो से छोटे और मध्यम स्तर के टेंट व्यवसायियों को भी नई दिशा मिलेगी। उन्हें आधुनिक मशीनों, उपकरणों, सजावटी सामग्री, डिजिटल प्रबंधन और व्यवसाय विस्तार के नए अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी, जिससे वे अपने कारोबार को और अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बना सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति देश के मध्य में होने के कारण यह व्यापार और लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य सरकार सड़क, रेलवे और हवाई संपर्क को लगातार मजबूत कर रही है ताकि उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को और अधिक गति मिल सके। उन्होंने कहा कि रेल अवसंरचना के क्षेत्र में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। केंद्र सरकार द्वारा रेल बजट में छत्तीसगढ़ के लिए रिकॉर्ड प्रावधान किए गए हैं।

खास खबर

प्राचीन काल से कुंभकार समाज का महत्वपूर्ण योगदान, सुख-दुख के रहे साथी : साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजा दक्ष प्रजापति जयंती और सामाजिक सम्मेलन में हुए शामिल

उप मुख्यमंत्री अरुण साव बिलासपुर के पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागार में आयोजित राजा दक्ष प्रजापति जयंती (सर्व कुम्हार समाज) एवं सामाजिक सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कुम्हार समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से कुंभकार समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रचना और निर्माण में कारीगरों को महारत हासिल है। विभिन्न ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थानों की खुदाई में मिट्टी के बर्तन मिले हैं। इससे पता चलता है कि प्राचीन सभ्यता में भी कुंभकारों का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक रीति-रिवाजों में कुंभकार की अहम भूमिका रहती है। सुख और दुख के कार्यों में मिट्टी के बर्तन उपयोग होते हैं। समय के साथ कुंभकार समाज भी अपनी योग्यता और मेहनत से आगे बढ़ रहा है। श्री साव ने बताया कि मोदी सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना शिल्पकारों की तरक्की लेकर आई है। यह योजना शिल्पकार समाज की उन्नति के लिए बनाई गई है। इसका लाभ उठाकर समाज के लोग सक्षम बन रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी कुम्हार समाज के कल्याण के लिए माटीकला बोर्ड का गठन किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि आधुनिक युग में फिर से मिट्टी के बर्तनों का उपयोग बढ़ा है। बर्तनों को आधुनिक रूप देकर बड़े होटलों में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऑनलाइन और ई-कॉमर्स से मिट्टी के बर्तन खूब बिक रहे हैं। विधायकगण सर्वश्री धरमलाल कौशिक जी, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, अटल श्रीवास्तव और सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, समाज के अध्यक्ष किशन प्रजापति, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और दीपक सिंह सहित अनेक सामाजिक पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिजनों से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की बात

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दीपक रात्रे एवं भूपेन्द्र की निर्मम हत्या की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान तत्काल दोनों दिवंगतों के परिजनों से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्री शर्मा ने अधिकारियों को भी आवश्यक समन्वय एवं हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना ने पूरे प्रदेश को गहरे शोक में डाल दिया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध है। आतंकवाद के ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है और इस नृशंस हमले में शामिल आतंकियों को उनके अपराध की कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि आतंकियों को उनके कृत्य का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा और इस हमले का बदला अवश्य लिया जाएगा। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील निर्णय शोक संतप्त परिवारों को कठिन समय में संबल प्रदान करेगा तथा राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। वे पीड़ित परिवारों के साथ रहकर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने तथा स्थानीय प्रशासन के साथ आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कोरबा नगर निगम के पांच वार्डों को मिली 76 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात

उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कोरबा

नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 61, 63, 64, 65 एवं 66 के शनिवार को 76 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साढे. 36 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, तो वहीं साढे. 39 लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसपर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम केारबा द्वारा वार्ड क्र. 65 भैरेाताल के अंतर्गत 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से शासकीय माध्यमिक शाला में नवीन भवन एवं शौचालय का निर्माण कराया गया है, तो वहीं वार्ड क्र. 66 पंखाढफाई अंतर्गत 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने इन नवनिर्मित दोनों विकास कार्यों को जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित किया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 भैरेाताल में 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से दुर्गा मंदिर परिसर, छत निर्माण एवं कांक्रीट कार्य, वार्ड क्र. 61 खम्हरिया में संतलाल घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण, वार्ड क्र. 63 कुसमुण्डा प्रोजेक्ट एम.एस. में 01 लाख 81 हजार रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय निर्माण, वार्ड क्र. 63 अंतर्गत 08 लाख 07 हजार रूपये की लागत से वालबाड़ी अतिरिक्त कक्ष, पी.एस. कुसमुण्डा प्रोजेक्ट निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर परसाभांठा में अमरसाय घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण तथा वार्ड क्र. 65 आनंदनगर नवधा पण्डाल के पास 08 लाख रूपये की लागत से मंच व शेड का निर्माण किया जाना हैं, आज इन सभी विकास कार्यों का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया।

छत्तीसगढ़ का हो रहा तेजी से विकास

इस अवसर पर दिये गये अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में देश को विकास की नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया है तथा उन्ही के मार्गदर्शन में हमारा छत्तीसगढ़ भी लगातार सज संवर रहा है। उन्होंने कहा कि 15 वर्षों तक डॉ.रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री थे, उन्होने जब छत्तीसगढ़ की कमान संभाली उस समय प्रदेश की स्थिति ठीक नही थी, किन्तु उन्होने छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास किया तथा छत्तीसगढ़ के विकास पुरूष कहलाये। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से प्रदेश का विकास थम गया था किन्तु पिछले ढाई वर्षों से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में विकास को पुनः गति व दिशा दी हैं तथा हमारा छत्तीसगढ़ राज्य नई ऊर्जा के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। एक ओर जहाँ प्रदेश में उद्योग, धंधे बढ़ रहे हैं, रोजगार बढ़ रहा है, अधोसंरचना विकास के कार्य हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केन्द्र व राज्य सरकार की दजनों जनकल्याणकारी व गरीब हितैषी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर गरीब, निर्धन परिवारों का जीवन स्तर ऊंचा उठाया जा रहा है।

विकास पथ पर लगातार अग्रसर है कोरबा

सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के दिशा निर्देशन में कोरबा विकास के पथ पर निरंतर तेजी के साथ अग्रसर हो रहा है, उनके द्वारा निगम के सभी 67 वार्डों में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केवल जनताजनार्दन की इच्छा व उनकी आवश्यकता के अनुरूप बडे पैमाने पर विकास कार्य कराये जा रहे हैं। उन्होने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि लखनलाल देवांगन जैसे विधायक व मंत्री तथा संजूदेवी राजपूत जैसी महापौर हम सबको प्राप्त हुई है, जिनके कुशल नेतृत्व में कोरबा नितनई उपलब्धियॉ अर्जित कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, पार्षद प्रेमसाहू, बहत्तर सिंह कंवर, रामाधार पटेल, जनकसिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, मण्डल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, एल्डरमेन दीपक यादव, बांकीमोंगरा के एल्डरमेन जितेन्द्र सिंह, रवीन्द्र अग्रवाल, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री भागवत विश्वकर्मा, वरिष्ठ नेता माधव जायसवाल, रामेश्वर वैष्णव, विजेन्द्र यादव, मनीष अग्रवाल, अनिल यादव, आकाश श्रीवास्तव, हेतराम साहू, अजय कश्यप, बालकृष्ण साहू, श्यामसुंदर राठौर, अमित यादव, लक्ष्य चतुर्वेदी, भूपेन्द्र महंत, कृपाल सिंह, निगम के सहायक अभियंता रमेश सूर्यवंशी, प्रमोद जगत, उप जोन प्रभारी पुखराज यादव, करनभाई पटेल, जयसिंह गभेल आदि के साथ काफी संख्या में आमनागरिकगण उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र के विकास के लिये धनराशि की कमी नहीं

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में व्यापक स्तर पर विकास कार्य संपादित हो रहे हैं तथा विकास कार्यों के लिये धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही, उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री अरूण साव के आशीर्वाद से उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन विभिन्न मदों से लगातार नये-नये विकास कार्य स्वीकृत करा रहे हैं तथा विभिन्न मदों के अंतर्गत विगत ढाई वर्षों में निगम क्षेत्र में लगभग 01 हजार करोड़ रूपये के विकास कार्य उनके द्वारा स्वीकृत कराये जा चुके हैं। उन्होने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये कहा कि आप सबने हमें अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है, अब हमारा दायित्व बनता है कि हम आपकी समस्याओं को त्वरित रूप से दूर करें, आपको सभी मूलभूत सुविधाएं सुगम रूप से उपलब्ध करायें, निश्चित रूप से निगम इसी लक्ष्य को सामने रखकर कार्य कर रहा है।

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण-राज्यपाल डेका

राज्यपाल ने जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दी उपाधियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।

राज्यपाल डेका रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है। आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा, जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समारोह में जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद नवीन जिंदल, विश्वविद्यालय की चांसलर श्रीमती शालू जिंदल, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल, जिंदल स्टील रायगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर देवोज्योति रॉय, कुलपति डॉ.आर.डी. पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास : मंत्री देवांगन

राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वाणिज्य उद्योग, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन जिला कुडो संघ द्वारा मंगल भवन, कटघोरा में आयोजित राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रतिभाशाली बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री देवांगन ने कहा कि बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना केवल उन्हें स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना नहीं है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। जब हमारी बेटियाँ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती हैं, तभी एक सुरक्षित, सशक्त और विकसित समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में खेल अधोसंरचना के विकास, प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि भारत सरकार भी खेलो इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के खिलाड़ियों को नई पहचान और बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल, शिक्षा, कला और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर देश के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर प्रतिभागियों को जीवन की हर चुनौती का आत्मविश्वास के साथ सामना करने, अनुशासित जीवन जीने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने जिला कुडो संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर बेटियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं।

इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद जनक राजपूत, कुडो कराते संघ की अध्यक्ष सुश्री सीता रजक सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

जरूरत थी कड़े कानून की और वह बन गया है

देश में पिछले एक दो दशक से राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगी, प्रवेश परीक्षा या किसी पद विशेष के लिए होने वाली परीक्षा हो उसके पेपर लीक होना एक बड़ी समस्या के रूप मे सामने आया है और इस समस्या के समाधान के लिए और कड़े कानून की मांग भी देश में युवाओं की तरफ से की जा रही थी। युवाओं का मानना था कि देश में पेपर लीक रोकने के लिए कानून तो हैं लेकिन कड़ा कानून नहीं है, इससे पेपर लीकर करने वालों को पेपर लीक करते हुए कोई डर नहीं होता है और यह डर न होने के कारण आए दिन किसी भी राज्य या केंद्र स्तर की कोई प्रतियोगी परीक्षा,प्रवेश परीक्षा हो तो उसका पेपर लीक कहीं न कहीं कर दिया जाता है। हाल में नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद परीक्षा फिर से आयोजित की गई इसके बाद पेपर लीक को लेकर पिछले एक दो महीने से देश के युवा में गहरी नाराजगी थी और वह चाहते थे कि इसे रोकने के लिए सरकार कड़ा कानून बनाए और जो भी तकनीकी सुधार हो सकते हैं, वह सुधार भी जल्द किया जाए। मोदी सरकार ने कड़ा कानून बना दिया है,राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वह पूरे देश में लागू हो गया है और तकनीकी सुधार के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञों की समिति बनाकर एक कदम भी उठाया है। पेपर लीक रोकने केलिए सरकार की तरफ से जो कुछ जल्द से जल्द हो सकता था, वह तो कर दिया गया है ।ल ेकिन विपक्ष व सीजेपी से युवाओं को जो उम्मीदें थी, वह पूरी नहीं हुई है क्योंकि उनका लक्ष्य बेहतर परीक्षा व्यवस्था बनवाना था ही नहीं।

जब भी किसी देश प्रदेश में किसी मुद्दे को लेकर युवाओं में नाराजगी पैदा होती है तो उसका लाभ उठाने वाले भी सामने आ जाते हैं तो पेपर लीक को लेकर युवाओं में हुए पैदा हुए असंतोष व गुस्से को देखते हुए अभिजीत दीपके ने काकरोच जनता पार्टी बनाकर मौके का फायदा उठाया ।वह युवाओं के संगठन व नेता के रूप में सामने आया। सीजेपी के झंडे तले अनशन व आंदोलन किया। लेकिन उसका लक्ष्य न तो कड़ा कानून बनवाना था और न ही तकनीकी सुधार कैसे हो सकता है, बताना था ।सीजेपी युवाओं का आंदोलन था लेकिन वह शिक्षामंत्री के इस्तीफे तक ही सीमित रह गया। एक महीने के आंदोलन के बाद शिक्षामंत्री ने इस्तीफा दिया और सीजेपी वाल खुश हो गए कि उनका आंदोलन सफल रहा। इससे युवा ठगे रहे गए क्योंकि वह जानते समझते हैं कि शिक्षामंत्री के इस्तीफे से पेपर लीक होना थोड़ी न बंद हो सकता है। उनकी जो भी समस्याएं हैं वह हल थोड़ी न होती हैं ।युवा जो चाहते थे संसद के बाहर वह न तो सीजेपी ने किया और संसद के भीतर न तो कांग्रेस व विपक्ष ने किया।

संसद के भीतर पेपर लीक रोकने लाए गए संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम नेता और बेहतर सुझाव दे सकते थे. यह विपक्ष का सकारात्मक कदम होता है, युवाओं को भी लगता कि सरकार के साथ ही विपक्ष भी पेपर लीक रोकने के लिए कुछ करना चाहता है। सरकार के साथ ही कांग्रेस व विपक्ष भी युवाओं की समस्या हल करना चाहता है ।विपक्ष की सकारात्मक छवि के लिए विपक्ष को यह करना था लेकिन विपक्ष ने राहुल गांधी के नेतृत्व में फिर साबित किया की कि विपक्ष का काम संसद के भीतर सरकार के हर अच्छे कदम का विरोध करना है,संसद में हंगामा करना है, संसद नहीं चलने देना है। जिस विषय में बहस हो रही हो, उस विषय में कुछ अच्छा कहने की जगह विवाद को बढ़ावा देने वाली बाते कहना है। विपक्ष के नेताओं ने कहा कि सुधार से कुछ नहीं होगा,सजा बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। कानून तो पहले से बने हैं लेकिन उससे परीक्षा पेपर लीक होना बंद हुआ क्या। वहीं सरकार की तरफ से कहा गया कि युवाओं की मांग सख्त कानून बनाने की सरकार ने सख्त कानून बना दिया है,इससे अब पेपरलीक करने वालों में डर पैदा होगा कि वह पकड़े गए तो उनके सख्त सजा मिलेगी, करोड़ों रुपए जुर्माना देना पड़ेगा,समयबध्द सुनवाई से जल्द फैसला होगा।

नीट पेपर लीक रोकने का सख्त कानून संसद से पास होने के बाद मंजूरी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा गया था और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वह पूरे देश में शुक्रवार रात से लागू हो गया है। खास बात यह रही कि यह सख्त कानून महज तीन दिन में दोनों सदनों से पारित होकर राष्टपति की मंजूरी के बाद देश में लागू हो गया यानी जितनी जल्दी हो सकता था सरकार ने युवाओं के हित में एक कड़ा बनाकर पारित कराकर लागू करवा दिया है। इससे पता चलता है कि सरकार युवाओं की मांग को पूरा करने, उनकी समस्या को हल करने के लिए कितनी संवेदनशील है। नया कानून लागू होने के बाद कोई पेपर लीक करता है तो व्यक्तिगत तौर पर पांच साल की सजा होगी और पचास लाख रुपए जुर्माना होगा ।वहीं एजेसी व संगठित रूप से यह अपराध करने पर 10 साल की सजा व दस करोड़ रुपए का जुर्माना होगा। सबसे अच्छी बात यह है कि पेपर लीक मामले में जांच व मुकदमे की समयसीमा पांच माह तय की गई है यानी पेपर लीक करने वाले को पांच माह में सजा मिलेगी। यह सच है कि कानून बनने से अपराध रूकते नहीं है लेकिन यह भी सच है कि अपराध के लिए जब कड़े कानून बनते हैं तो उसका असर अपराध करने वालों पर पड़ता है,उनमें डर पैदा होता है कि अब ज्यादा सजा होगी,जल्द सजा होगी और जुर्माना ज्यादा देना होगा। यही वजह है कि वक्त बदलने के साथ ही कड़े कानून की मांग देश के लोग व युवा करते हैं और कड़े से कड़े कानून बनाए जाते हैं।

सोशल मीडिया की अदालत : क्या भीड़ का फैसला ही अंतिम सत्य है ?

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह बदल गई है। आज के दौर में लगभग सभी लोगों के पास मोबाइल फोन है और कुछ ही सेकंड में कोई भी व्यक्ति अपने विचार पूरी दुनिया में साझा कर सकता है। सूचना का लोकतंत्रीकरण आधुनिक समाज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि समाचार और विचार अब पारंपरिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं हैं। लेकिन इस सशक्तिकरण में एक गंभीर खतरा भी छिपा है। आजकल तकर्पूर्ण बहस की जगह अधूरी जानकारी, अफवाहें, ऑनलाइन ट्रोलिंग और डिजिटल भीड़ के विचारों ने ले ली है। कई मामलों में, व्यूज, रेटिंग और वायरल होने की होड़ सच्चाई की खोज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

महज कुछ घंटों में एक वीडियो ऑनलाइन आ जाता है, किसी मुद्दे का एक पक्ष सामने आता है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट उसे फैला देते हैं, और लाखों लोग बिना सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के किसी को दोषी घोषित कर देते हैं। सोशल मीडिया की यह ह्लतत्काल अदालतह्व न तो तथ्यों की समीक्षा करती है और न ही निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करती है। इसने अक्सर अन्यायपूर्ण तरीके से, भावनाओं, अधूरी सच्चाइयों और भीड़ की मानसिकता के आधार पर फैसले सुनाए हैं।

हाल ही में एक स्कूल शिक्षक के मामले में यह चिंता फिर से सामने आई है। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर शिक्षक को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया का तुरंत इस्तेमाल किया गया। अनगिनत उपयोगकर्ताओं ने कठोर निर्णय लिए, उनके चरित्र पर संदेह जताया और सभी तथ्य सामने आने से पहले ही उन्हें दोषी घोषित कर दिया। लेकिन जैसे-जैसे महीने बीतते गए, एक अलग ही कारण सामने आया। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच के अधिकार को अधिकाधिक महत्व दिया जाने लगा।

यह उन अहम सवालों में से एक है। क्या आरोपी की निंदा करने वाले लोग दूसरे पक्ष की बात सुनने को भी तैयार होंगे? क्या वे यह स्वीकार करेंगे कि उनसे जल्दबाजी में फैसला लेने की संभावना हो सकती है? लेकिन क्या रुझान, आक्रोश और ऑनलाइन लोकप्रियता सच्चाई से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बने रहेंगे?

भारतीय न्याय प्रणाली का एक मूलभूत पहलू यह है कि निदोषता का सिद्धांत भारतीय न्यायालयों में एक सावभौमिक नियम है, जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को दोषी सिद्ध होने तक निदोष माना जाता है। यह कोई कानूनी तर्क-वितर्क नहीं, बल्कि किसी भी सभ्य समाज का मूलभूत सिद्धांत है। जब इस सिद्धांत का उल्लंघन होता है, तो न्याय के स्थान पर अराजकता फैल जाती है, और कोई भी व्यक्ति किसी भी कारण से जन आक्रोश का शिकार हो सकता है।

ट्रोलिंग सिर्फ आलोचना तक सीमित नहीं है, यह ऑनलाइन होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सार्वजनिक दंड के रूप में किया जाता है। लोग लाइक्स, शेयर्स और व्यूज के नाम पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, करियर, परिवार और भविष्य को बर्बाद करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। दशकों की अच्छी प्रतिष्ठा पल भर में नष्ट हो सकती है। अदालत में निदोष साबित होने पर भी सामाजिक कलंक अक्सर मिटता नहीं है।

तो फिर एक अहम सवाल उठता है। झूठे आरोप में फँसे व्यक्ति को सम्मान कौन दिलाएगा? क्या वायरल पोस्ट को हटाने से लोगों की याददाश्त मिट जाएगी? क्या सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के बाद व्यक्ति पश्चाताप करेगा, या उसे भुला दिया जाएगा? ज़्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। कानूनी तौर पर निदोष साबित होने से सामाजिक क्षति की पूरी तरह भरपाई नहीं हो सकती।

हालांकि, यह बात भी बेहद महत्वपूर्ण है कि असली अपराधियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। महिलाओं, बच्चों या छात्रों की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कानूनी सजा लगाई जानी चाहिए। न्याय अवश्य होना चाहिए, चाहे वह निदोष ही क्यों न हो, और दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ केवल अपराध को दंडित करना ही नहीं है; इसमें उन लोगों की रक्षा करना भी शामिल है जिन पर गलत आरोप लगाए गए हैं।

परंपरागत मीडिया और सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। ह्लसबसे पहले खबर देनेह्व की होड़ में अक्सर तथ्यों की पुष्टि नहीं हो पाती। सुर्खियों का उद्देश्य पाठक की भावनाओं को भड़काना होता है। यदि बाद में कोई घटनाक्रम मूल रिपोर्ट के विपरीत साबित होता है, तो सुधारों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप, गलत सूचना लाखों लोगों तक फैल जाती है जबकि सच्चाई उतनी देर तक नहीं पहुंच पाती।

दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि वायरल होने वाली कोई भी चीज हमेशा सही नहीं होती। मूल संदर्भ से अलग की गई सामग्री और जानकारी, कुछ सेकंड का वीडियो या एक अलग क्लिप, जनमत को पूरी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए, एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए धैर्य रखना, आलोचनात्मक रूप से सोचना और सत्यापित तथ्यों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

परंपरागत रूप से, भारतीय समाज में शिक्षकों को भरोसेमंद और सम्मानित माना जाता है। जब कोई शिक्षक आपराधिक कृत्य द्वारा इस भरोसे को तोड़ता है, तो कानून को सख्त होना चाहिए क्योंकि यह न केवल कानून का, बल्कि जनता के भरोसे का भी उल्लंघन है। हालांकि, जब कोई शिक्षक झूठे आरोपों का शिकार होता है, तो यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं होती, बल्कि शिक्षण पेशे की गरिमा का भी मामला बन जाती है। इसलिए, लोगों के निर्णय सबूतों पर आधारित होने चाहिए, न कि भावनाओं पर।

अब समय आ गया है कि सोशल मीडिया को सकारात्मक चर्चा के मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाए, न कि वैकल्पिक न्यायालय के रूप में। सभी नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता है, लेकिन केवल न्यायालयों को ही दोष सिद्ध करने का अधिकार है। साक्ष्य, कानूनी सिद्धांतों और उचित प्रक्रिया पर आधारित न्यायिक निर्णय ही संवैधानिक लोकतंत्र में न्यायपालिका के सम्मान का आधार हैं।

हम डिजिटल नागरिक हैं और इसी नाते हमारी नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। कोई भी पोस्ट साझा करते समय, उसकी प्रामाणिकता की जांच करना महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन अपमानजनक टिप्पणी करने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि अगर हमारे परिवार के किसी सदस्य के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता तो हमें कैसा लगता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ कभी भी किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की स्वतंत्रता नहीं होना चाहिए, जब तक कि यह साबित न हो जाए।

समाज और आरोपी दोनों का यह कर्तव्य है कि वे शिकायतकर्ता की बात सुनें, लेकिन साथ ही आरोपी को भी अपनी बात कहने का मौका दें। संतुलन संवैधानिक न्याय का मूल आधार है। यदि हम एकतरफा जानकारी के आधार पर निर्णय सुनाना शुरू कर दें, तो कोई भी झूठे आरोप और ऑनलाइन भीड़ की मानसिकता का शिकार बन सकता है।

अंततः, यह एक सीधा-सा सिद्धांत है। यदि निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद शिक्षक दोषी पाया जाता है, तो यह अपराध अक्षम्य है और कानून को उसे कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले दोषी करार देना न्याय नहीं, बल्कि भीड़तंत्र है।

हालांकि, सोशल मीडिया के रुझान क्षणभंगुर होते हैं, और जल्दबाजी में सार्वजनिक निंदा करने से होने वाला नुकसान जीवन भर का घाव बन सकता है। एक सभ्य समाज वह है जो निर्णय आक्रोश या लोकप्रिय राय के आधार पर नहीं, बल्कि सत्य, प्रमाण, कानून के शासन और उचित प्रक्रिया के सम्मान के आधार पर लेता है। जैसे ही भीड़ न्यायाधीश बन जाती है, सबसे बड़ा नुकसान स्वयं सत्य का होता है।

एक कैंटीन से उठा सवाल : व्यवस्था का सच आखिर कहाँ है ?

आरके जैन

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना गलती होना नहीं, बल्कि उसे उपलब्धि के प्रमाणपत्र से ढक देना है। जब सच कागजी चमक में छिपने लगे, तब व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन इसका प्रतीक बनकर सामने आई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्वच्छता और अनुपालन में अट्ठानवे प्रतिशत अंक दिए और परिसर को मक्खी-कीट मुक्त बताया। रिपोर्ट आदर्श दिखी, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने उसकी चमक फीकी पड़ गई। अदालत ने रेटिंग को ह्यहास्यास्पद बताते हुए ह्यएक भी कीट नहीं? जैसी टिप्पणी की और चार वकीलों की टीम को एफडीए अधिकारियों के साथ जांच के लिए भेजा। यह केवल कैंटीन की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहाँ सुधार से अधिक निदोष दिखने वाली रिपोर्ट बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

सत्ता का आधार उसका नैतिक अधिकार होता है, जो कानून बनाने या आदेश देने से नहीं, बल्कि आचरण से अर्जित होता है। जब शासन दूसरों के लिए कठोर नियम तय करता है, स्वच्छता के नाम पर निजी प्रतिष्ठानों पर कारर्वाई करता है और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, तो उससे अपेक्षा होती है कि वह स्वयं भी उन्हीं कसौटियों पर खरा उतरे। लेकिन जब वही व्यवस्था अपनी मंत्रालय की कैंटीन को पूणर्ता का प्रमाणपत्र दे और न्यायपालिका उस दावे पर सवाल उठा दे, तो यह दोहरे मापदंड को उजागर करता है। जो व्यवस्था अपनी थाली की सच्चाई नहीं परख सकती, वह समाज की थाली की सुरक्षा का भरोसा कैसे पैदा करेगी? सत्ता की असली स्वच्छता भाषणों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के आचरण में दिखाई देती है।

यह मामला केवल भोजन की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक संस्कृति का प्रतीक है जहाँ अंक और प्रमाणपत्र उपलब्धि पर भारी पड़ने लगे हैं। आज कई क्षेत्रों में मूल्यांकन की चमक, जमीनी सच्चाई से अधिक महत्व पाने लगी है। परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियाँ हों, आपदा राहत के आंकड़ों और स्थिति में अंतर हो या योजनाओं की सफलता रिपोर्टों में दिखाई दे—हर जगह यही प्रवृत्ति नजर आती है। मंत्रालय की कैंटीन इसका छोटा लेकिन तीखा उदाहरण है। निरीक्षण की सूची पूरी हुई और अंक मिल गए, लेकिन सवाल है कि क्या अंक अनुभव का स्थान ले सकते हैं? लोकतंत्र में सम्मान प्रतिशत से नहीं, भरोसे से मिलता है। जब शासन की घोषणाएँ और जनता का अनुभव अलग दिशा में चलें, तो विश्वास की दूरी बढ़ती जाती है।

खाने की सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य का विषय मानना इस प्रसंग को सीमित करना होगा। भोजन नागरिक गरिमा और प्रशासनिक संवेदनशीलता से जुड़ा प्रश्न है। मंत्रालय वह स्थान है जहाँ राज्य की दिशा तय होती है, नीतियाँ बनती हैं और जनता के लिए नियम निर्धारित होते हैं। यदि ऐसे स्थान पर सुरक्षा केवल फाइलों में हो और वास्तविकता जानने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, तो यह व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी ने स्पष्ट किया कि एफडीए का व्यवहार निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रति समान व निष्पक्ष होना चाहिए। सत्ता के परिसर भी जांच और जवाबदेही से ऊपर नहीं हो सकते। चाहे मंत्रालय की कैंटीन हो या बड़ा प्रशासनिक निर्णय, जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूत नींव है।

इस मामले ने निरीक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का काम केवल अंक देना नहीं, बल्कि वास्तविकता को निष्पक्ष रूप से सामने रखना है। जब किसी सरकारी परिसर को लगभग आदर्श घोषित किया जाए और बाद में उसी दावे पर प्रश्न उठें, तो चिंता केवल एक रिपोर्ट की नहीं, पूरे तंत्र की साख की होती है। निजी संस्थानों पर कठोर मानक और सरकारी प्रतिष्ठानों पर नरम मूल्यांकन समानता के सिद्धांत को कमजोर करते हैं। व्यवस्था जब अपने लिए अलग कसौटी अपनाती है, तो उसकी नैतिक शक्ति घटती है। शासन की असली प्रतिष्ठा प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और आचरण से बनती है।

सुधार का रास्ता केवल नई रेटिंग व्यवस्था बनाने से नहीं, बल्कि उस सोच को बदलने से निकलेगा जो कागजी सफलता को उपलब्धि मान लेती है। निरीक्षण प्रक्रिया में उन लोगों के अनुभव शामिल होने चाहिए, जो प्रतिदिन उस व्यवस्था का हिस्सा होते हैं। कर्मचारी, अधिकारी और भोजन करने वालों की राय को मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। अचानक निरीक्षण, पारदर्शी रिपोर्ट और सरकारी व निजी संस्थानों के लिए समान नियम ही विश्वास मजबूत कर सकते हैं। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटल मंचों की जवाबदेही या आपदा राहत की जमीनी समीक्षा—हर क्षेत्र में एक सिद्धांत लागू होना चाहिए कि आंकड़ों की चमक से पहले वास्तविकता को महत्व मिले।

मंत्रालय की कैंटीन का यह प्रसंग सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं प्रमाणपत्रों की चमक में वास्तविकता और सत्य पीछे तो नहीं छूट रहे। अट्ठानवे प्रतिशत अंक आकर्षक हो सकते हैं, लेकिन जनता का विश्वास रिपोर्ट कार्ड से नहीं, बल्कि व्यवस्था की ईमानदारी और आचरण से अर्जित होता है। अपनी कमियों को स्वीकार कर सुधार का साहस ही किसी संस्थान की शक्ति होती है। जो शासन आत्मालोचना से नहीं डरता, वही लंबे समय तक सम्मान और भरोसा कायम रखता है। कागजों पर चमकती उपलब्धियाँ कुछ समय प्रभाव डाल सकती हैं, लेकिन प्रतिष्ठा का आधार सच्चाई, पारदर्शिता और ईमानदारी ही बनती है।

जब किसी व्यवस्था की चमकदार रिपोर्ट और जमीनी सच्चाई में अंतर दिखाई देने लगे, तो प्रश्न केवल एक घटना का नहीं, पूरी सोच का बन जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी इसी प्रशासनिक मानसिकता पर चोट है, जहाँ वास्तविकता सुधारने से अधिक उसे बेहतर दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता की असली स्वच्छता फाइलों, प्रमाणपत्रों और प्रतिशतों में नहीं, बल्कि व्यवहार और फैसलों में झलकती है। थाली में परोसे भोजन और रिपोर्ट में लिखे सत्य के बीच दूरी नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र केवल नियमों से नहीं, जनता के विश्वास से चलता है। विश्वास अट्ठानवे प्रतिशत अंकों से नहीं, पारदर्शी और ईमानदार आचरण से अर्जित होता है।

अन्नदाता, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को नई उड़ान, केंद्रीय मंत्रिमंडल के तीन बड़े निणर्यों से विकसित भारत की आधारशिला होगी और सुदृढ़

विनोद कुमार सिंह

विकसित भारत का निर्माण केवल ऊँची आर्थिक विकास दर से नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक किस सीमा तक पहुँचता है। जब किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो, ऊर्जा के स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हों और युवा अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हो, तभी विकास समावेशी और टिकाऊ बनता है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णय इसी व्यापक सोच और दूरदृष्टि का परिचय देते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि (पीएम- किसान) योजना को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने के लिए लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये तथा खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इन संयुक्त वित्तीय निणर्यों से स्पष्ट है कि सरकार कृषि, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को विकसित भारत की तीन प्रमुख आधारशिलाओं के रूप में देख रही है ।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देश के करोड़ों किसानों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में स्थिरता और विश्वास का आधार बन चुकी है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं तथा उनके बैंक खातों में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं में शामिल यह कार्यक्रम पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन का भी प्रभावी उदाहरण बन गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है ।देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में किसान की आय में स्थिरता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजार,लघु उद्योग,कृषि यंत्र, उर्वरक, बीज,परिवहन और स्थानीय व्यापार तक दिखाई देता है। यही कारण है कि कृषि क्षेत्र में किया गया प्रत्येक निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहियों को गति देता है ।पीएम-किसान योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली है ।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुँचने से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि किसानों का सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है ।डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का यह एक सशक्त उदाहरण माना जा सकता है ।हालाँकि केवल आय सहायता ही कृषि की सभी चुनौतियों का समाधान नहीं है। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक,कृषि अनुसंधान,मूल्य संवर्धन,भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था पर समान रूप से निवेश आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में भी समान गति से सुधार आगे बढ़ता है, तो पीएम-किसान योजना का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा ।केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना है। लगभग 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य देशभर में जलाशयों,बाँधों और सरोवरों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास करना है। ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत दूरगामी महत्व रखता है ।आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

औद्योगिकीकरण,डिजिटलीकरण और शहरीकरण के कारण बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती यह संकेत देती है कि ऊर्जा उत्पादन के स्वच्छ स्रोतों का तेजी से विस्तार समय की आवश्यकता है ।फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँ इस दिशा में एक अभिनव समाधान प्रस्तुत करती हैं। जलाशयों की सतह पर स्थापित सौर पैनलों से स्वच्छ बिजली का उत्पादन बढ़ता है, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता कम होती है तथा जल के वाष्पीकरण में भी उल्लेखनीय कमी आती है ।इस प्रकार एक ही परियोजना ऊर्जा उत्पादन और जल संरक्षण—दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है ।भारत ने पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है ।सूर्य सरोवर योजना उस यात्रा को नई गति प्रदान करेगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत बनाएगी ।सूर्य सरोवर योजना का महत्व केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है ।यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता,पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का संकल्प लिया है। ऐसे समय में जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे कृषि योग्य भूमि सुरक्षित रहती है। जलाशयों की सतह पर लगे सौर पैनल पानी के वाष्पीकरण को कम करते हैं, जिससे जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है ।साथ ही जल की ठंडक के कारण सौर पैनलों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस प्रकार यह योजना ऊर्जा, पर्यावरण और जल प्रबंधन—तीनों क्षेत्रों में एक साथ सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीसरा महत्वपूर्ण निर्णय खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को स्वीकृति देना है ।पिछले एक दशक में भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक,पैरालंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं ।इन सफलताओं के पीछे खेल अवसंरचना का विस्तार,प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

खेलो इंडिया मिशन के नए चरण का उद्देश्य देशभर में खेल संस्कृति को और मजबूत करना, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान करना, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना तथा खेल विज्ञान, पोषण, खेल चिकित्सा और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है ।भारत यदि वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करना चाहता है, तो ऐसी योजनाएँ आधारभूत भूमिका निभाएँगी ।वास्तव में इन तीनों निणर्यों का सामूहिक विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार ने विकास की ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है,जिसमें अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा, हरित ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और युवा शक्ति के माध्यम से मानव संसाधन विकास को समान महत्व दिया गया है ।यही विकसित भारत की वह अवधारणा है जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व भी शामिल है ।लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय संकल्प वाले ये निर्णय केवल बजटीय घोषणाएँ नहीं हैं,बल्कि देश के भविष्य में किया गया दीघर्कालिक निवेश हैं। कृषि क्षेत्र में स्थिर आय, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार और खेल प्रतिभाओं का विकास—ये तीनों मिलकर भारत की उत्पादक क्षमता,सामाजिक पूंजी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की वास्तविक सफलता उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है ।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुँचे, सूर्य सरोवर योजना की परियोजनाएँ समयबद्ध ढंग से पूरी हों और खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत तैयार होने वाली सुविधाएँ वास्तव में खिलाड़ियों तक पहुँचें झ यही इन निणर्यों की सफलता का वास्तविक पैमाना होगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निगरानी और पारदर्शी कार्यप्रणाली इन योजनाओं को अपेक्षित परिणाम तक पहुँचाने में निर्णायक सिद्ध होगी ।31 जुलाई 2026 की केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय यह संदेश देते हैं कि भारत अब विकास के ऐसे मॉडल की ओर बढ़ रहा है,जहाँ किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि आर्थिक विकास का आधार है; स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की शक्ति है; और युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार है ।यदि इन योजनाओं का क्रियान्वयन घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ,तो आने वाले वर्षों में यह दिन भारतीय विकास यात्रा के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में याद किया जाएगा, जब सरकार ने कृषि,हरित ऊर्जा और युवा शक्ति—इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ नई दिशा देकर विकसित भारत के संकल्प को और अधिक ठोस आधार प्रदान किया।

'राम युग की शुरुआत'

रणबीर कपूर की 'रामायण' के ट्रेलर पर संदीप वांगा का रिएक्शन; फिल्म की जमकर की तारीफ

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। अब फिल्ममेकर संदीप वांगा ने भी इस ट्रेलर पर अपना रिएक्शन दिया है और इसकी जमकर तारीफ की है। नितेश तिवारी की 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद यह फिल्म चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। सोशल मीडिया पर लोग अपने-अपने रिएक्शन दे रहे हैं। इस बीच फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा ने भी फिल्म के ट्रेलर पर अपना रिएक्शन दिया है। संदीप वांगा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रेलर को लेकर अपनी बात शेयर की। उन्होंने फिल्म के पहले लुक और इसके भव्य पैमाने की तारीफ करते हुए इसे 'राम युग की शुरुआत' बताया।

ट्रेलर पर रिएक्ट करते हुए वांगा ने लिखा, 'ये राम युग का आरंभ है। ये सिर्फ एक ट्रेलर नहीं है, बल्कि यह हमेशा याद दिलाने वाला है कि धर्म की हमेशा अधर्म पर जीत होती है। ट्रेलर में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया है, जिसमें अयोध्या में उनके जीवन की झलक देखने को मिलती है। इसमें राजा दशरथ (अरुण गोविल) और कैकेयी (लारा दत्ता) के साथ उनके सीन भी नजर आते हैं। साई पल्लवी सीता के किरदार में दिखाई देती हैं, वहीं यश रावण के रूप में दमदार एंट्री करते हैं। रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आए हैं।

इस एक्ट्रेस ने बताई पर्दे पर 'एहसास' की सच्चाई

'इंटीमेट सीन्स के दौरान बहक जाना लाजमी'

टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने इंटीमेट सीन्स पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है। आर्टिस्ट भी इंसान हैं। हालांकि उन्होंने प्रोफेशनलिज्म बनाए रखने को सबसे अहम बताया। टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने ऑनस्क्रीन इंटीमेट सीन्स को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। बिग बॉस फेम अर्शी खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि रोमांटिक या इंटीमेट सीन करते समय किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन महसूस होना अनयूजवल नहीं है। उनका कहना है कि कलाकार भी आम इंसान होते हैं और ऐसी भावनाएं स्वाभाविक हैं।

'रोमांटिक सीन्स में अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है'

नवीना ने आगे कहा कि कई बार लगातार रोमांटिक सीन शूट करने के दौरान आर्टिस्ट अपने को-स्टार को लेकर अट्रैक्ट हो सकते हैं। यह एक ह्यूमन नेचर है। इसमें कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। हालांकि इस दौरान प्रोफेशनलिज्म बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। बातचीत के दौरान नवीना बोले ने अपनी निजी पसंद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह उसी व्यक्ति को डेट कर सकती हैं, जिसके प्रति उन्हें फिजिकल और इमोशनल अट्रैक्शन महसूस हो। अगर ऐसा न हो तो रिश्ता निभाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है।

क्या इंटीमेट सीन के दौरान बहक जाते हैं एक्टर्स?

पॉडकास्ट में अर्शी खान ने नवीना से पूछा कि क्या ऑनस्क्रीन रोमांस करते-करते कभी ऑफस्क्रीन भी ऐसा महसूस होता है या किसी अभिनेता की नीयत बदल सकती है? इस पर नवीना बोले ने जवाब दिया, 'हो तो कुछ भी सकता है। हम नॉर्मल लोग हैं। किसी के प्रति अट्रैक्शन होना और उसे पसंद करना बिल्कुल नेचुरल है।'

दमदार संगीत, अच्छे विजुअल्स... पर

ये कमियां कहीं 4000 करोड़ की 'रामायण' को डुबो न दें!

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का लंबा ट्रेलर बीते गुरुवार रिलीज किया गया. इस ट्रेलर को देख फैंस काफी खुश नजर आए और उन्होंने इसे पॉजिटिव व्यूज दिए. इसके अलावा कुछ फैंस ने ट्रेलर की खामियां भी निकाली हैं जो मेकर्स के लिए चिंता का सबब बन सकती हैं.

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच भारी उत्साह है. हो भी क्यों ना. रामानंद सागर की रामायण के बाद अब एक बार फिर से इस माइथोलॉजिकल स्टोरी के साथ इंसाफ होता नजर आ रहा है. फिल्म के ट्रेलर को भी काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. लेकिन इसके बाद भी कई सारे लोगों का ऐसा भी मानना है कि फिल्म में कुछ मिसिंग भी है. सभी इसके ट्रेलर पर अपनी-अपनी राय दे रहे हैं. साथ ही मेकर्स के लिए भी ये सोचने वाली बातें होंगी क्योंकि इसका सीधा असर फिल्म पर और उसकी कमाई पर पड़ सकता है. आइए जानते हैं फिल्म के लिए वो कौन से 5 प्वाइंट्स हैं जिसपर रिलीज से पहले मेकर्स को गौर करने की जरूरत है. जब आदिपुरुष का ट्रेलर आया था तो फैंस को कुछ रोचक लेकिन कुछ फनी डायलॉग्स सुनने को मिले थे. फिल्म के डायलॉग्स की वजह से मेकर्स को खूब ट्रोल किया गया था. लेकिन रणबीर कपूर की रामायण में डिसेंट डायलॉग्स हैं. लेकिन उतने दमदार भी नहीं हैं जिन्हें देख अंदर से वाह निकल जाए. फिल्म के पहले ट्रेलर की वजह से अनुमान लगाए जाए तो इसमें डायलॉग्स काफी फ्लैट नजर आ रहे हैं. फिल्म के ट्रेलर में एंट्री सीन्स तो रणबीर, साई पल्लवी और यश के अच्छे हैं. लेकिन इसके बाद भी इसमें वैसे सीन्स नहीं नजर आए जो गहरा इम्पैक्ट लिए हों. सिर्फ शानदार वीएफएक्स पर ही सारा ध्यान जा रहा है.

शकुंतला देवी के 6 साल:

असाधारण महिलाओं को पर्दे पर जीवंत करने में माहिर हैं विद्या बालन

फिल्म शकुंतला देवी को रिलीज हुए छह साल हो चुके हैं, लेकिन यह फिल्म आज भी विद्या बालन की उस खास क्षमता की मिसाल है, जिसके जरिए उन्होंने असाधारण महिलाओं की कहानियों को पर्दे पर बेहद सहज और भावनात्मक तरीके से पेश किया। यही वजह है कि समय के साथ विद्या बालन बॉलीवुड की उन भरोसेमंद अभिनेत्रियों में शामिल हो गई हैं, जो मजबूत महिला किरदारों को पूरी गरिमा और गहराई के साथ निभाने के लिए जानी जाती हैं। यह उनकी प्रतिभा क्षमता ही है, जहां उन्होंने द डर्टी पिक्चर में ग्लैमरस सिल्क स्मिता से प्रेरित किरदार निभाने से लेकर महान गणितज्ञ शकुंतला देवी का किरदार निभाकर इन असाधारण महिलाओं की कहानियों को यादगार बनाया। सच पूछिए तो शकुंतला देवी का किरदार निभाना सिर्फ उनकी शानदार गणितीय प्रतिभा दिखाने तक सीमित नहीं था। विद्या ने उनके आत्मविश्वास, हाजिरजवाबी, आकर्षक व्यक्तित्व और भावनात्मक पहलुओं को भी बखूबी पर्दे पर उतारा। उन्होंने शकुंतला देवी को सिर्फ एक महान गणितज्ञ के रूप में नहीं दिखाया, बल्कि एक ऐसी महिला के रूप में पेश किया, जो अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ मां होने और निजी रिश्तों को भी संभालने की कोशिश कर रही थी।

उनके अभिनय की यही खूबी थी कि दर्शक महान शख्सियत के साथ-साथ उनके पीछे छिपे इंसान से भी जुड़ गए।

आज भी शकुंतला देवी विद्या बालन के करियर की यादगार फिल्मों में शामिल है। यह फिल्म सिर्फ एक महान गणितज्ञ की कहानी नहीं थी, बल्कि इसने एक बार फिर साबित किया कि विद्या बालन असाधारण महिलाओं की जिंदगी को अपनी दमदार, सहज और भावनात्मक अदायगी के साथ पर्दे पर जीवंत करने में कितनी माहिर हैं।

'वैनिटी वैन में ही सोती थी'

'कस्तूरी' के दौरान शुभांगी ने 6 दिन बिना रुके किया काम; अनुभव किया साझा

टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने एकता कपूर के शो में काम करते समय कितनी मुश्किलें झेली थीं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। टीवी एक्टर्स अक्सर बताते हैं कि सेट पर काम के घंटे बहुत ज्यादा होते हैं, कभी-कभी तो उन्हें ठीक से सोने का समय भी नहीं मिलता और शूट के बीच-बीच में ही झपकी लेनी पड़ती है। हाल ही में शो द मेल फेमिनिस्ट में शुभांगी ने इसी बारे में बात

'कस्तूरी' के बारे में

2007 में आए इस शो में करण पटेल और शुभांगी अत्रे लीड रोल में थे। कहानी एक साधारण लेकिन मजबूत लड़की कस्तूरी की थी, जिसकी जिंदगी अमीर और ताकतवर रॉबी से मिलने के बाद बदल जाती है।

शुभांगी ने बताया, 'जब मैं बालाजी के साथ काम कर रही थी, तो कई बार मुझे तीन दिन तक पैक-अप ही नहीं मिलता था। 'कस्तूरी' करते समय मैं हर सीन में होती थी। ऐसा लग रहा था जैसे 24 तारीख को शो ऑन-एयर होना था और मेरा सिलेक्शन 21 को हुआ था। एकता मैम को कोई लड़की पसंद नहीं आ रही थी और बार-बार रिप्लेसमेंट हो रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआत में उन्होंने 'कस्तूरी' करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं 'कसौटी जिंदगी की' कर रही थी, तभी हमारे एपी अभिषेक आए और बोले कि एकता मैम बुला रही हैं। मैंने मना कर दिया कि मैं पहले से ही एक शो में दिन-रात काम कर रही हूं, दूसरा नहीं करना चाहती। लेकिन उन्होंने कहा कि आप एकता मैम को मना नहीं कर सकते। शुभांगी ने आगे कहा, 'वही मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट बन गया। 21 को मेरा सिलेक्शन हुआ और 27 को जाकर मेरा पैक-अप हुआ। मैं वैनिटी वैन में ही सोती थी।

लंबे समय तक टिके रहने के लिए

हर दिन मेहनत करनी पड़ती है

नेपो किड कहे जाने पर बोलीं रवि किशन की बेटी

रवि किशन की बेटी रिवा किशन अपने भविष्य को लेकर बहुत सकारात्मक हैं। वह अपने पिता का नाम इस्तेमाल करने के साथ-साथ अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती हैं।

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

रिवा किशन के हवाले से लिखा 'मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।'

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, 'मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।'

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं 'उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाईं से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।'

शिवजी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय है रुद्राभिषेक

श्रावण माह 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। इस माह में कई व्रत-त्योहार, जैसे नाग पंचमी, रक्षाबंधन व सावन शिवरात्रि मनाए जाएंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार शिव आराधना का पावन श्रावण माह इस बार 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा। पूरे माह शिव उपासकों को लगातार पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है। मंदिरों में विशेष आयोजन शुरू हो चुके हैं।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

श्रावण माह में शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

सावन का महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह को भक्ति, व्रत, और साधना का महिना माना जाता है। मान्यता है कि इस समय सृष्टि का संचालन स्वयं भगवान शिव करते हैं। इस दौरान भक्त सोमवार का व्रत, रुद्राभिषेक, और शिवपुराण पाठ करते हैं। विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं द्वारा किए गए सोमवार व्रत को विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने वाला और मनचाहा जीवनसाथी पाने वाला व्रत माना गया है। इस पावन अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष सजावट, जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और रात्रि जागरण जैसे कार्यक्रमों की तैयारियां भी जोरों पर हैं।

सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है मंगला गौरी व्रत

मंगला गौरी व्रत सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है और यह देवी पार्वती जिनका एक नाम गौरी भी है, उन्हें समर्पित है। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए रखती हैं। वहीं, अविवाहित लड़कियां मनपसंद जीवनसाथी और शीघ्र विवाह के लिए यह व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत रखने से कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और घर में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

मंगला गौरी व्रत का महत्व

- मंगला गौरी व्रत रखने से विवाहित महिलाओं के वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस व्रत को रखने से पति को लंबी आयु मिलती है और उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
- ऐसी मान्यता है कि देवी पार्वती जिन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की थी, इस व्रत को करने वाली सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं।
- यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, समझ और तालमेल को बढ़ाता है जिससे गृहस्थी खुशहाल रहती है। अविवाहित कन्याओं के लिए मंगला गौरी व्रत शीघ्र विवाह और मनपसंद जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- जो लड़कियां योग्य वर की तलाश में हैं या विवाह में किसी प्रकार की बाधा का सामना कर रही हैं उन्हें यह व्रत पूरी श्रद्धा से करने की सलाह दी जाती है। देवी पार्वती की कृपा से उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं और उन्हें सुयोग्य जीवनसाथी मिलता है जो उनके जीवन को सुखमय बनाता है।
- मंगला गौरी व्रत कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में सहायक होता है। मंगल दोष के कारण विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में समस्याएं या अन्य कष्ट आ सकते हैं।
- इस व्रत को करने से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।
- जिन दंपतियों को संतान प्राप्ति में कठिनाई आ रही है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत लाभकारी माना जाता है। देवी पार्वती को मातृत्व और सृजन की देवी माना जाता है।
- इस व्रत को सच्चे मन से करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और संतान सुख की प्राप्ति में मदद मिलती है। यह व्रत संतान के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभ फलदायी होता है।

आखिर क्यों भगवान शिव को कहा जाता है महाकाल

सावन का महीना शुरू हो गया है। ऐसे में हर तरफ आप भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए लोगों को देखती होंगी। भगवान शिव को कई नामों से पुकारा जाता है। उन्हें महादेव, भोलेनाथ, शंकर, शंभू, आदि नामों से पुकारा जाता है, लेकिन आखिर क्यों उन्हें महाकाल पुकारा जाता है?

आखिर भगवान शिव को यह नाम क्यों मिला?

पौराणिक कथाओं के अनुसार उज्जैन में एक शिव भक्त ब्राह्मण निवास करता था। यहां पर रहने वाले लोग दूषण नाम के राक्षस के प्रकोप से डरते थे। लोग उसे काल के नाम से जानते थे। ब्रह्मा जी से दूषण को कई शक्तियां मिली थी, जिनका दुरुपयोग कर वह निर्दोष लोगों को परेशान करता था। राक्षस की शक्तियों के प्रकोप से ब्राह्मण काफी दुखी था, उसने भगवान शिव से राक्षस के नाश की प्रार्थना की, लेकिन भगवान ने काफी वक्त तक कुछ नहीं किया। प्रार्थनाओं का असर न होता देख एक दिन ब्रह्म भगवान शिव से नाराज हो गए और उनका पूजन बंद कर दिया। अपने ब्राह्मण भक्त को दुखी देख भगवान शिव हुंकार के रूप में प्रकट हुए और दूषण का वध कर दिया। क्योंकि लोग दूषण को काल कहते थे, इसलिए उसके वध के कारण भगवान शिव का नाम महाकाल पड़ा।

क्या होता है महाकाल का मतलब?

काल का मतलब होता है समय और महाकाल का मतलब हुआ है वह जो समय से परे है अथवा उसका नियंत्रणकर्ता है। मान्यताओं के अनुसार, शिव जी प्रलय, विघटन या मृत्यु के देव हैं और वह हमारे समय यानी काल को भी नियंत्रित करते हैं।

महाकाल की पूजा

राक्षस का वध करने के कारण बाबा महाकाल की पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा महाकाल की आराधना करता है, उसे कभी मृत्यु का भय नहीं होता है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लौटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन के मंगला गौरी व्रत के दिन महिलाएं जरूर करें इन चीजों का दान

सनातन धर्म में मंगला गौरी का व्रत माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से दान-पुण्य करने का विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव के साथ-साथ माता पार्वती को समर्पित होता है। इस पवित्र महीने के दौरान पड़ने वाले हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए किया जाता है।

कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। अब ऐसे में जो महिलाएं इस दिन दान-पुण्य कर रही हैं, उन्हें किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

करें हरी चूड़ियों का दान

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है। चूड़ियां सुहाग का प्रतीक होती हैं और इनका दान करने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं, जिससे सुहागिनों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत के दिन सुहागिन महिला को चूड़ियों का दान करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, शांति और मधुरता आती है। पति-पत्नी के बीच के कलेश दूर होते हैं और संबंध मजबूत होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत और इस दिन सुहाग की वस्तुओं, विशेषकर चूड़ियों का दान करना बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

काजल का दान

ज्योतिष शास्त्र में काजल को बुरी नज़र से बचाने वाला और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने वाला माना गया है। मंगला गौरी व्रत के दिन काजल का दान करने से वैवाहिक जीवन को लगी बुरी नजर उतर जाती है और दांपत्य जीवन में नकारात्मकता भी नष्ट होने लगती है। मंगला गौरी व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है।

मसूर की दाल का दान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल गौरी व्रत मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए रखा जाता है। मसूर की दाल का संबंध मंगल ग्रह से होता है, और इसे दान करने से कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके विवाह में बाधाएं आती हैं या वैवाहिक जीवन में परेशानियां रहती हैं।

मंगला गौरी व्रत के दिन मसूर की दाल का दान करने से इस दोष का प्रभाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम, बेमेतरा को बनाएं प्रदेश का अग्रणी जिला : उप मुख्यमंत्री साव

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री साव ने अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का

नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें।

मानसून, कृषि एवं स्वास्थ्य पर विशेष जोर : उप मुख्यमंत्री ने मानसून को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश : श्री साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

जल संरक्षण, पर्यावरण एवं स्वच्छता पर विशेष फोकस : उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा : श्री साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। खेल बच्चों में अनुशासन, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता विकसित करते हैं तथा उन्हें नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि सहित सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने, कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

समन्वय से विकास को मिलेगी गति : श्री साव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि बेमेतरा कृषि एवं उद्योग दोनों क्षेत्रों में अपार संभावनाओं वाला जिला है। यदि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करें तो जिला विकास के नए आयाम स्थापित कर सकता है।

विकास कार्यों में गंभीरता लाने के निर्देश झ मंत्री दयाल दास बघेल : बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से अमल करने के निर्देश दिए।

बैठक में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, जिला अध्यक्ष अजय साहू, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल सहित जिले के सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खास खबर

भूमिहीन मजदूर परिवार को मिला सम्मान और सुरक्षा का भरोसा, घुरउ डहरिया के जीवन में आई नई उम्मीद

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा जिले के ग्राम चीमरा निवासी घुरउ डहरिया वर्षों से मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। स्वयं की कृषि भूमि नहीं होने के कारण उनका परिवार पूरी तरह दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर था। सीमित आय में परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ शासन की दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के तहत घुरउ डहरिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। यह राशि उनके परिवार के लिए कठिन समय में एक मजबूत सहारा साबित हुई है। घुरउ डहरिया बताते हैं कि पहले उन्हें लगता था कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल जमीन वाले किसानों को ही मिलता है। लेकिन इस योजना का लाभ मिलने के बाद उनका यह भ्रम दूर हो गया। अब उन्हें विश्वास है कि शासन समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति की चिंता कर रहा है। वे कहते हैं कि हमारे पास अपनी जमीन नहीं है, इसलिए लगता था कि हमें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। लेकिन हर साल मिलने वाली सहायता राशि से घर के जरूरी खर्च पूरे करने में काफी राहत मिलती है। इससे यह भरोसा और मजबूत हुआ है कि सरकार हम जैसे भूमिहीन मजदूर परिवारों के साथ खड़ी है।

घुरउ डहरिया योजना से प्राप्त राशि का उपयोग परिवार की दैनिक आवश्यकताओं, घरेलू खर्च और अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करने में करते हैं। इससे उनके परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। उनकी पत्नी श्रीमती शामबाई डहरिया को भी विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक सुदृढ़ हुई है। घुरउ डहरिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भूमिहीन मजदूर परिवारों के सम्मान, आत्मविश्वास और सुरक्षित भविष्य का आधार है।

बाबा भोरमदेव के आंगन में आज सजेगा संभागीय सरस मेला,आकर्षक वस्तुओं की प्रदर्शनी सह विक्रय के साथ होगा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

कवर्धा। सावन के पवित्र महीने में बाबा भोरमदेव के आंगन पर संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है। जिसमें स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा निर्मित शुद्ध स्वदेशी प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का भव्य प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाएगा। यह आयोजन 02 अगस्त से 06 अगस्त 2026 तक भोरमदेव मंदिर के पास ग्राम पंचायत चौरा विकासखंड बोडला में होगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय संस्कृति का महोत्सव भी है। यहाँ आपको एक ही स्थान पर ताजे एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित उत्पाद जैसे चार चिरौंजी, महुआ एवं अन्य स्थानीय उत्पाद मिलेंगे।इसके साथ ही हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियों भी उपलब्ध होगी।

2 अगस्त से प्रारंभ होने वाले पांच दिवसीय संभागीय सरस मेले के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों से निर्मित विभिन्न उपयोगी वस्तुओं एवं जैविक खाद्य सामग्रियों का उत्पादन करते हुए बहुत ही कम दर पर आम जनता के लिए विक्रय हेतु उपलब्ध कराया जाता है। इन उत्पादों में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर भारत का संकेत है। सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने आगे कहा कि आपकी प्रत्येक खरीदारी एक ग्रामीण परिवार की आय बढ़ाती है और महिला उद्यमी का आत्मविश्वास मजबूत करते हुए वोकल फॉर लोकल के संकल्प को साकार करता है। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा जिसमें लोकनृत्य, लोकगीत की प्रस्तुति विभिन्न कलाकारों द्वारा दी जाएगी।

पात्र श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता-योगेश दत्त मिश्रा

श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ, सहायता राशि के चेक वितरित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले के निर्माण श्रमिकों के सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज मोहला स्थित वन-धन केंद्र में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रम विभाग के अधीन संचालित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमकर्कार कल्याण मंडल के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री योगेश दत्त मिश्रा रहे। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री योगेश दत्त मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के हितों की रक्षा एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रमिक केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के विकास का मजबूत आधार हैं। सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र श्रमिक तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों के जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण पड़ाव जैसे जन्म, शिक्षा, विवाह, स्वास्थ्य, मातृत्व, दुर्घटना सहायता से लेकर मृत्यु उपरांत सहायता तक विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, छात्रवृत्ति, कौशल विकास एवं आर्थिक सहायता जैसी योजनाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे श्रम विभाग में अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि शासन की सभी योजनाओं का लाभ उन्हें और उनके परिवार को मिल सके। श्री मिश्रा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र श्रमिक योजनाओं से वंचित न रहे। इसके लिए श्रमिकों को जागरूक होना होगा तथा अपने अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ उठाना होगा।

सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में श्रमिकों को राष्ट्र निर्माण, समाज विकास तथा आर्थिक प्रगति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही श्रमिकों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनका पंजीयन कर योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया को भी प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से पात्र श्रमिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना, सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना, श्रमिकों का सम्मान बढ़ाना तथा उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रभावी पहल बनना था।

कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग द्वारा विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री योगेश दत्त मिश्रा ने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना तथा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक प्रदान किए। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद सुश्री शुभांगी गुप्ता, श्रम पदाधिकारी समीर मिश्रा,श्रम निरीक्षक प्रमोद यादव,कल्याण अधिकारी वतन सिंह राजपूत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी, बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहें।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता 2026 के पोस्टर का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 (एनएसपीसी) के पोस्टर का विमोचन प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य तथा आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने खैरागढ़ में किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों एवं युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर प्रतियोगिता में अधिकाधिक भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 का आयोजन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तत्वावधान में देशभर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण तथा स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रतियोगिता का आयोजन पांच श्रेणियों में किया जा रहा है। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं, कक्षा छठी से आठवीं, कक्षा नौवीं से बारहवीं, महाविद्यालय स्तर तथा स्वतंत्र (ओपन) श्रेणी शामिल हैं। प्रतियोगिता पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है, जिसमें प्रतिभागी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को तत्काल ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 15 जुलाई 2026 से 15 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही है। आयोजकों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला अध्यक्ष डॉ. विशेषर साहू, कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू, जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा, नवनीत जैन, आयाश सिंह, कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल, सहायक संचालक मनोहर चंदेल, भारत स्काउट एवं गाइड के जिला सचिव कृष्ण कुमार वर्मा, राजेश मेहता, गोरेलाल वर्मा, महेंद्र वर्मा, रामा साहू, भावेश कोचर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

कीचड़ से गुजर कर स्कूल जाने की मजबूरी, जर्जर भवन की छत से टपक रहा पानी : जितेन्द्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

वार्ड क्रमांक 29 कैलाशनगर के टांकापारा स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला की बदहाल स्थिति को लेकर जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि अमीन हुड्डा भी मौजूद रहे। निरीक्षण में सामने आया कि विद्यालय के प्रवेश मार्ग और परिसर में जलभराव व कीचड़ होने से विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। विद्यालय में तीन वाटर कूलर लगाए गए हैं, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं होने से वे अनुपयोगी पड़े हैं और बच्चों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जर्जर भवन की छत से बारिश का पानी टपकने से कक्षाओं का संचालन भी प्रभावित हो रहा है।

जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि विद्यालय परिसर में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने और आसपास अव्यवस्थित निर्माण के कारण हर बारिश में पूरा परिसर दलदल में बदल जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी पहल नहीं की। उन्होंने कहा कि केवल वाटर कूलर उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है, जब तक पानी की टंकी और जलापूर्ति की व्यवस्था न हो। उन्होंने बताया कि कई कमरों की छत टपक रही है और अधिकांश कमरों का उपयोग पढ़ाई के बजाय कबाड़ रखने के लिए किया जा रहा है। विद्यार्थियों को शौचालय जाने के लिए भवन से बाहर जाना पड़ता है। विद्यालय परिसर के पास पाउच और डिस्पोजल ग्लास भी मिले, जबकि सामने आबकारी नियंत्रण कार्यालय स्थित है।

मुदलियार ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस जिले के प्रभारी

मंत्री स्वयं शिक्षा मंत्री हैं, वहीं सरकारी विद्यालयों की ऐसी स्थिति है। उन्होंने बताया कि कभी लगभग 400 विद्यार्थियों वाले इस विद्यालय में अब मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण विद्यार्थियों की संख्या घटकर करीब 40 रह गई है।

पार्षद प्रतिनिधि अमीन हुड्डा ने कहा कि विद्यालय की समस्याओं से जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को लगातार अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस ने विद्यालय तक सड़क निर्माण, परिसर में मुरुम डालकर जलभराव समाप्त करने, जल निकासी, पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था तथा जर्जर भवन की मरम्मत कर सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस दौरान पूर्व शहर अध्यक्ष रमेश राठौर, मेहुल मारू, रूपेश दुबे, राकेश जोशी, इकरामुद्दीन सोलंकी, रूबी गरचा, अशोक पंजवानी, मामराज अग्रवाल, चेतन भानुशाली, लक्ष्मण साहू, रोहित चंद्राकर, अमीन हुड्डा, प्रेम रूचंदानी, विनय झा, वीरेन्द्र चंद्राकर, मनीष गौतम, राकेश चंद्राकर, ललित मरकाम, प्रदीप राठौर, मनीष साहू, राजेश गुप्ता चंपू, आशीष साहू, अवधेश प्रजापति, शरद खंडेलवाल, नरेश साहू, सचिन चौरसिया, बसंत चितलांग्या, गोपीचंद गायकवाड़, गोलू नायक, महेंद्र बहादुर सिंह, सकुर चौहान, राहुल चौबे, डॉ. राकेश कुमार, केशव पटेल, अब्दुल कादिर, संतोष शर्मा, दुष्यंत चंद्राकर, नेमचंद साहू, रितेश गोलू महानंद, सुरेंद्र देवांगन, जय जायसवाल, गजेन्द्र सिंह राजपूत, तेनसिंह साहू, तामेश्वर बंजारे, तारा साहू, दुर्रेंद्र वैष्णव, उमर सिंह ठाकुर, शिवम गड़पायले, समीर द्विवेदी, सुभाष हरिहरनो सहित अन्य लोग उपस्थित थे

श्रमिक सम्मेलन महिलाएं हो रही सशक्त और सक्षम, ई-रिक्शा चालक दीदी सरिता वर्मा के चेहरे पर झलकी खुशी, श्रमिक महिलाओं को किया प्रोत्साहित

सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाऊस रवाना हुए विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में आयी नया ढाबा की हितग्राही ई-रिक्शा चलाने वाली दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाऊस के लिए रवाना हुए। ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज के समय में महिलाएं सायकिल, मोटरसायकिल, कार यहां तक की पायलट बनकर हवाई जहाज भी चला रही हैं। महिलाओं ने शिक्षा के साथ ही सक्षम एवं सशक्त, आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने श्रमिक महिलाओं का हौसला बढ़ाया। इस दौरान ई-रिक्शा में उनके साथ जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं सुमीत उपाध्याय उपस्थित रहे। गौरतलब है कि शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं से जनमानस की जिंदगी बदल रही है और सामाजिक परिवर्तन एवं जागृति दिखाई दे रही है। जिसकी एक बानगी श्रमिक सम्मेलन में दिखाई दी। श्रमिक

महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।

श्रमिक सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने वहां आयी हितग्राही ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती उषा साहू से बातचीत की। उन्होंने शिक्षा के बारे में जानकारी ली और कहा कि 10वीं के बाद आगे की पढ़ाई जरूर जारी रखें। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीमती उषा साहू के पति से पूछा कि पत्नी जब ई-रिक्शा चलाती है, तो डर तो नहीं लगता। उनके पति भावेश साहू ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को ई-रिक्शा चलाना सिखाया है और उसे प्रोत्साहित करते हैं, जिससे उनका घर-परिवार आर्थिक तौर पर मजबूत बनेगा और बचत भी होगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची के प्रथम 10 में आने पर 1 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि तथा दो पहिया वाहन क्रय किए जाने हेतु 1 लाख रूपए अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना अंतर्गत गुणवत्तायुक्त ई-रिक्शा लिए अधिकतम 1 लाख 50 हजार रूपए का अनुदान दिया जाता है।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर चिरचारीकला में योगाभ्यास सत्र का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिले के आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर चिरचारीकला में योग प्रशिक्षक विनोद कुमार सोनी द्वारा योगाभ्यास कराया गया।

योग सत्र में शामिल ग्रामीणों को नियमित योगाभ्यास करने एवं योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रत्येक बुधवार को वीपी एवं शुगर के मरीजों को सेंटर में सुबह योग के लिए आने की सलाह दी गई। इस दौरान पौधरोपण किया गया तथा पौधों का वितरण किया गया।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत 3 स्कूलों में लगाए पौधे

छात्रों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, संस्थापक शानू मोहनन ने किया संबोधित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा ग्रामीण अंचल ग्राम पीपरछेड़ी/रसमड़ा/गनियारी में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला पीपरछेड़ी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रसमड़ा और शासकीय हाई स्कूल गनियारी में कुल 30 पौधे लगाए गए। इनमें नीम, आम, बादाम, पीपल, करंज, सीता अशोक, कढ़ी पत्ता आदि के पौधे शामिल थे।

छात्रों को प्रकृति संरक्षण का दिया गया संदेश

कार्यक्रम के दौरान संस्था की संस्थापक शानू मोहनन ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि "प्रकृति परिवर्तन और भीषण गर्मी के कारण मानव, जीव-जंतु और धरती मां कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हम सब मिलकर वृक्षारोपण के माध्यम से धरती मां को हरियाली से आच्छादित कर सकते हैं। छात्रों का दायित्व है कि वे पेड़-पौधों की सुरक्षा को अपना कर्तव्य समझें।" कार्यक्रम की संयोजिका संगीता अस्थाना ने भी बच्चों को पर्यावरण के महत्व और वृक्षों की देखभाल के बारे में जानकारी दी।

संस्था के सदस्य रहे उपस्थित

"एक पेड़ सौ पुत्रों के समान" इस मुहिम में संस्था के सदस्य राजीव अस्थाना, भीम कुमार, केजू राम साहू, पावर्ती साहू, तरुण बोरकर, ममता साहू, शालिनी परासे, सुनिता शुक्ला, नीलिमा नेताम, लोचन स्वणकार, आशा अरविंद जैन, लता साहू, केशव, रजनी पुरोहित, भारती पटेल, नौशाद खान, मिथिलेश उमर आदि उपस्थित रहे। संस्था ने बताया कि आगे भी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के वृक्षारोपण अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

25 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ आज बाबाधाम के लिए रवाना होगा बाबा प्रेम कांवरिया संघ युवा विंग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बाबा बैद्यनाथ धाम (बाबाधाम) के लिए रवाना होगा। यह जत्था भाजपा नेता एवं बाबा प्रेम कांवरिया संघ युवा विंग संजोयक मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ यात्रा प्रारंभ करेगा।

बाबा प्रेम कांवरिया संघ पिछले दो दशकों से अधिक समय से सावन माह में नियमित रूप से बाबाधाम की यात्रा करता आ रहा है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए युवा विंग के श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना करेंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि यह यात्रा केवल आस्था का नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति से युवाओं को जोड़ने का भी माध्यम है।

सावन माह के पावन अवसर पर बाबा प्रेम कांवरिया संघ युवा विंग का 25 श्रद्धालुओं का जत्था रविवार, 2 अगस्त को साउथ बिहार एक्सप्रेस से कि आगे भी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के वृक्षारोपण अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान संस्था की संस्थापक शानू मोहनन ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि "प्रकृति परिवर्तन और भीषण गर्मी के कारण मानव, जीव-जंतु और धरती मां कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हम सब मिलकर वृक्षारोपण के माध्यम से धरती मां को हरियाली से आच्छादित कर सकते हैं। छात्रों का दायित्व है कि वे पेड़-पौधों की सुरक्षा को अपना कर्तव्य समझें।" संस्था ने बताया कि आगे भी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के वृक्षारोपण अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

गरियाबंद के स्कूल में शराब पार्टी का वीडियो वायरल

गरियाबंद। जिले के मैनपुर ब्लॉक स्थित देवझरअमली स्कूल में कथित रूप से शराब पार्टी किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। वीडियो में दो शिक्षक स्कूल के कमरे के अंदर शराब, अंडे और चखना के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और शिक्षकों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह मामला देवझरअमली स्कूल का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में कथित तौर पर स्कूल के कमरे में दो शिक्षक शराब का सेवन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में टेबल पर शराब की बोतल, अंडे और खाने-पीने की अन्य सामग्री नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान शिक्षक शराब के नशे में थे और वहां मौजूद मीडियाकर्मी से बहस करते हुए भी दिखाई दिए।

दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का कल होगा शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश में पंजीयन सेवाओं को अधिक अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 3 अगस्त को दुर्ग में अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे, जबकि वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जिला पंजीयक प्रियंका श्रीरंगे ने बताया कि कार्यालय में संपूर्ण पंजीयन प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिसके अंतर्गत ई-अपॉइंटमेंट, डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल हस्ताक्षर, बायोमेट्रिक सत्यापन, उच्च गुणवत्ता की दस्तावेज स्कैनिंग तथा सुरक्षित डिजिटल अभिलेखीकरण जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। पंजीकृत दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति सीधे व्हाट्सएप पर प्राप्त होगी तथा स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान यूपीआई, नेट बैंकिंग अथवा कार्ड के माध्यम से कैशलेस तरीके से किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि कार्यालय में स्वतः नामांतरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस व्यवस्था के माध्यम से भूमि पंजीयन के साथ ही राजस्व अभिलेखों में क्रेता का नाम स्वतः दर्ज हो जाएगा। इससे अलग से नामांतरण के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी तथा नागरिकों के समय एवं श्रम दोनों की बचत होगी।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
baked.by.suhani
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message
Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Deepak Advertisers
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100